1

कुरान के दृष्टिकोण से

इस्लामी उम्मा के जागरण में नेतृत्व की शर्तें और इसकी भूमिका

सैयद बाकर एलिया रिज़वि[1]

समीक्षा: [2]

पवित्र कुरान कुछ महत्वपूर्ण स्थितियों को संदर्भित करता है □ो इस्लामी □ागृति को बनान□ बनाए रखन□ और बनाए रखन□ में निर्णायक भूमिका निभात□ हैं। इस क्ष□त्र में और विश्व स्तर पर इस्लाम, और ऐसी ची□ों में न□ताओं और राष्ट्रों की भूमिका, इस तरह की पहचान और लागू करना आवश्यक लगता है शर्तें।

□ंतर्दृष्टि, दृढ़ता, धैर्य और सफलता □ैसी विश□ष परिस्थितियों क□ बिना, न□तृत्व शपथ ग्रहण करन□ वाल□ शत्रुओं का विरोध करन□ □पनी रक्षा करन□ और राष्ट्रों की मूल्यवान उपलब्धियों की रक्षा करन□ में सक्षम नहीं होगा। समान शर्तों क□ साथ, राष्ट्रों क□ लिए। यह है यह भी आवश्यक है, उनक□ बिना, वांछित लक्ष्य संभव नहीं होंग□ राष्ट्रों क□ भाग्य में न□तृत्व की एक चलती इं□न की भूमिका होती है। राष्ट्रों क□ समझौत□ या गैर-समझौत□ की डिग्री उनक□ निर्णयों और मानसिक स्थितियों पर निर्भर करती है। एक का उद्भव इस्लामी

1:कुरानिक विज्ञान में पीएचडी छात्र, □ल-मुस्तफा इंटरन□शनल सोसाइटी ۰۹۱۳۵۴۲۲۱۳۳۸ baqaraliya72@gmail.com

2 : इस ल□ख क□ ल□खक पाकिस्तान क□ हज्जुल इस्लाम वल मुसलम□ीन क□ प्रसिद्ध विद्वान डॉ मोहम्मद याकूब बशवी हैं और विषय क□ महत्व और इसकी आवश्यकता क□ कारण, इसका □नुवाद हमारी भाषा में किया गया है।۰۰۹۸۹۱۳۵۴۶۵۰۱۴۷ bashovi786@yahoo.com

मूल्यों और □हंकार विरोधी भावना पर आधारित नए मध्य पूर्व न□ कुरान क□ दृष्टिकोण स□इस्लामी □ागृति में न□तृत्व की स्थितियों और भूमिका की □ांच करन□की आवश्यकता को दोगुना कर दिया है।

कीवर्ड :

स्थितियां, न□ा, भूमिका, इस्लामी □ागरण, उम्माह, विकास।

परिचय:

क्ष□त्र में क्रांति या □रब वसंत क□ बार□में कोई खबर नहीं थी। उन्होंन□ कहा, "सत्यों क□ आधार पर □ो सर्वशक्तिमान ईश्वर न□ आद□श दिया है, एक नए मध्य पूर्व का गठन किया □ाएगा। यह मध्य पूर्व एक इस्लामी मध्य पूर्व होगा," उन्होंन□ कहा। गा□ा सम्म□लन में भाग ल□न□वाल□ इस भविष्यवाणी स□बहुत पहल□□रब द□शों में एक □भूतपूर्व क्रांति और □ागृति शुरू हुई थी। इस □ागृति क□ कारण □भिमानी मोर्चे क□ कई कठपुतली तानाशाहों का पतन हुआ। क्ष□त्र और दुनिया क□ राष्ट्र, यह सवाल उठता है कि कौन सी स्थितियाँ हैं पवित्र कुरआन □ागृति क□ मामल□ में, न□ता और राष्ट्र क□ बार□में विचार करता है? न□तृत्व की भूमिका का राष्ट्रों क□ भाग्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? इन सवालों क□ □वाब द□न□स□ पहल□ यह आवश्यक लगता है। कुछ महत्वपूर्ण शब्दों को परिभाषित करन□क□ लिए।

संकल्पना

इस्लाम: राघ□ब इस्लाम को शांति में प्रव□श करन□क□ लिए मानत□ हैं, □िसमें प्रत्य□क पक्ष दूसर□ पक्ष स□ आहत और पर□शान होन□स□ सुरक्षित है। □ल्लाम□ह का मानना है कि इस्लाम धर्म उत्पत्ति और पुनरुत्थान, सामा□िक कानूनों, यानी पू□ा और ल□न द□न स□ संबंधित शिक्षाओं का एक समूह है □ो रहस्योद्घाटन और भविष्यवाणी क□ माध्यम स□ प्राप्त किया □ाता है। इस शोध में हमारा मतलब इस्लाम स□ इसक□ शाब्दिक □र्थ में नहीं है, बल्कि हमारा मतलब धार्मिक इस्लाम है, □िसमें विश्वास, नैतिकता, नियम और सामा□िक कानून और समा□ की मार्गदर्शक आवश्यकताएं शामिल हैं। □ल्लाम□ह न□इसक□ एक बड़□हिस्स□का भी उल्ल□ख किया है।

उम्माः राघब उम्माह क□ बार□ में कहत□ हैं: "कोई भी समूह □ो किसी चीज़ या विचार स□ एक साथ आता है, चाह□ वह किसी एक धर्म या एक समय या एक ही स्थान का मामला हो, और इसस□ कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह व्यापक मामला □ निवार्य है या नहीं। या वैकल्पिक।"

प्रोफ□सर मस्बाह यज़्दी बतात□ हैं: "कुरान क□ दृष्टिकोण स□ उम्माह का □र्थ मनुष्यों का एक समूह है □ो उन सभी में एकता और समानता की दिशा में हैं।" इस □ध्ययन में, उम्माह मनुष्यों क□ एक समूह को संदर्भित करता है □नक□ पास एक ही नत्ता, एक धर्म और एक ही लक्ष्य है, और कुरान न□ उन्हें एक ही उम्मा क□ रूप में संदर्भित किया है।

नेतृत्व: धार्मिक दृष्टिकोण स□ नत्वृत्व की एक महत्वपूर्ण स्थिति भविष्यवक्ताओं और उनक□ सच्च□ उत्तराधिकारियों का □धिकार है, □ो उनक□ बार□ में इमाम, □भिभावक, सर्वोच्च आदि शब्दों का उपयोग करत□ हैं। ईश्वर क□ □धिकार क□ □ भाव में, धार्मिक विद्वानों न□ ऐसा □धिकार। इस शोध में हमारा मतलब सामान्य है और शर्तों और भूमिकाओं क□ संदर्भ में सभी तीन श्रेणियों को शामिल करता है। कुछ मुस्लिम विद्वानों, छब्बीस स□ □धिक, न□ नत्वृत्व क□ लिए शर्तों का प्रस्ताव दिया है। एक स्कूल या दस्ता को कभी-कभी नत्वृत्व क□ रूप में संदर्भित किया □ा सकता है। यह एक सामान्य शब्द है □ो सकारात्मक और नकारात्मक दोनों नत्ताओं को संदर्भित करता है। ल□किन इस □ध्ययन में, क□वल सकारात्मक नत्वृत्व का मतलब है।

शर्तें: सामा□िक परिवर्तन में परिस्थितियाँ एक बहुत ही मौलिक भूमिका निभाती हैं। रोश की परिभाषा क□ □नुसार, "स्थितियाँ ऐस□ तत्व हैं □ो उपयुक्त या □नुचित हैं □ो एक या □धिक परिवर्तन ए□ेंटों क□ प्रभाव या प्रभाव को □धिक सक्रिय, धीमा, □धिक तीव्र या कम□ोर बनात□ हैं।" वागो क□ □नुसार, स्थितियां धीमी हो □ाती हैं या परिवर्तन में त□ी आती है। सामा□िक क्षत्र में परिस्थितियाँ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लक्षक क□ □नुसार, परिस्थितियों

का □र्थ मूल्य तत्वों का एक समूह है □ो न□ा और राष्ट्र क□ □ागरण में मौलिक भूमिका निभात□ हैं। यह ध्यान दिया □ाना चाहिए कि न□ा और राष्ट्र क□ बीच ऐसी स्थितियां आम हैं।

ए) इस्लामी जागृति में नेतृत्व की शर्तें

पिछली सदी में इस्लामी □ागृति क□ ध्व□वाहक इमाम खुमैनी हैं। इमाम न□ईरान और दुनिया क□ लोगों को एक विश□ □ंतर्दृष्टि दी। शहीद मोताहारी इमाम खुमैनी क□ न□ृत्व क□ बार□में कहत□हैं:

"इमाम खुमैनी इस आंदोलन क□ निर्विवाद न□ा बनन□का कारण यह है कि इस तथ्य क□ □लावा कि एक न□ा की शर्तें और लाभ वास्तव में उनमें थ□वह बौद्धिक और आध्यात्मिक पथ और ईरानी लोगों की □रूरतों में थ□कि □न्य इस रास्त□में नहीं थ□ यानी इमाम खुमैनी न□□पन□सभी व्यक्तिगत लाभों क□ साथ, उनक□ द्वारा इस्त□ाल किए गए तर्क का इस्त□ाल किया और □िन लीवरों पर उन्होंन□हाथ रखा और उन्हें दबाया और समा□ को स्थानांतरित कर दिया, तो यह उस तरह का लीवर था दूसरों न□उन पर डाल दिया उदाहरण क□ लिए, यदि वह दूसरों क□ समान तर्क का पालन करता है, यानी वर्ग विरोध का मुद्दा और लोगों की च□ना में वर्ग विरोधों की तथाकथित शुरूआत - □क□ल□ - [क्या वह बना सकता था ऐसा आंदोलन?] उन्होंन□इसका इस्त□ाल भी किया (क्योंकि इस्लाम एक व्यापक स्कूल है), ल□िन इस तर्क और □भिव्यक्ति क□ लिए नहीं, बल्कि उस तर्क क□ लिए □ो इस्लाम क□ तर्क क□ साथ फिट बैठता है, यानी न्याय मांगन□का तर्क। इस्लामी शिक्षाओं क□ आलोक में न्याय की खो□ उन बुनियादी लीवरों में स□ एक थी □िस पर उन्होंन□हम□ा दबाव डाला। □गर उन्होंन□कहानी को इस्लामिक रंग दिए बिना ही इस मुद्द□पर □ोर दिया, तो क्या उनक□ लिए समा□ को इस तरह स□आग□बढ़ाना संभव था?

यदि उनक□ पास धार्मिक और इस्लामी न□ा की उपाधि नहीं होती, यदि ईरान क□ लोग, □पनी आत्मा की गहराई में, □ो इस्लाम और कुरान की आयतों स□परिचित हैं, उनक□ पास □ली और इमाम हुसैन हैं, तो व□यह महसूस नहीं होगा कि पैगंबर की पुकार

और यह □ली की पुकार और इमाम हुसैन की पुकार है □ो इस आदमी क□ गल□स□निकलती है, □गर य□न होत□तो क्या इस द□श में ऐसा आंदोलन होता?

उन्होंन□ □ुल्म क□ खिलाफ लड़ाई लड़ी, ल□किन उन्होंन□ इस्लामिक मानकों क□ मुताबिक □ुल्म क□ खिलाफ वही लड़ाई प्रस्तावित की, □िस पर किसी मुसलमान पर □त्याचार नहीं होना चाहिए। उन्होंन□ इस्लाम क□ बैनर तल□ □ुल्म क□ खिलाफ लड़ाई लड़ी, उन्होंन□ इस्लाम क□ बैनर तल□ जुल्म क□ खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंन□ आ□ादी की बात की, आ□ादी क्यों? क्योंकि हम मुसलमान हैं, एक मुस्लिम और एक मुस्लिम राष्ट्र खुद को □पमानित नहीं होन□ द□त□ لَنْ يَجْعَلَ اللَّهُ لِلْكَافِرِينَ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ سَبِيلًا: आस्तिक को □धीनस्थ और काफिर को स्वामी नहीं होना चाहिए, आस्तिक को आज्ञाकारी और काफिर को स□नापति होना चाहिए।

इमाम खुमैनी क□ निर्देश लगातार ईरानी लोगों को प्रस्तुत किए गए, और लोगों को एक न्यायविद क□ रूप में हमार□ आंदोलन का समर्थन करन□ क□ लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंन□ यह भी बताया कि उन्हें शाह क□ कुछ कार्यों स□ धोखा नहीं द□ना चाहिए और युद्ध क□ मैदान को छोड़ द□ना चाहिए। इमाम न□ इसमें कहा संबद्ध:

"□ब शाह रसातल क□ किनार□ पर है। एक ओर, वह ईरान क□ बहादुर राष्ट्र की शाश्वत शक्ति का सामना करता है, □ो □पनी स्वतंत्रता क□ लिए □पनी पूरी ताकत क□ साथ उठ खड़ा हुआ है और □ब तक उसका □त्याचार समाप्त नहीं हो □ाता, तब तक वह नहीं बैठ□गा। वह डर है कि स्वामी उसस□ दूर हो □ाएंग□ और एक तरफ वह शासन क□ संदर्भ में क्षय और पतन का सामना कर रहा है और □म□रिकी क्रांति का घोटाला और ऑर्डर पार्टी का घोटाला है, और दूसरी तरफ वह □संतुष्ट है सम्माननीय सैन्य पुरुषों और द□श क□ साथ □ो हत्याओं और संबद्धताओं स□ बच□ हैं।

ईरानी राष्ट्र □ब धोखा नहीं खाएगा और मुख्य □पराधी को नहीं भूल□गा। इन □शांत लहरों में, इसन□ ब□रहमी स□ नए प्रयास और धोख□ किए हैं। राष्ट्र और द□श क□ साथ □ो हुआ उसक□ लिए

उस□ दूसरों को दोष द□ना चाहिए, और उसक□ ए□ेंट काम कर रह□ हैं प्र□स और प्रचार तंत्र क□ माध्यम स□ इस□ हासिल करना कठिन है। व□ मुख्य नहीं हैं, ईरान क□ बुद्धिमान राष्ट्र को धोखा नहीं दिया □ाएगा और मुख्य □पराधी को नहीं भूल□ा और इन ख□लों को स्वीकार नहीं कर□ा।

और कभी-कभी, बदनामी और धोख□ क□ पुरान□ हथियार क□ साथ, वह □पन□ विरोधियों को ऐस□ लोगों क□ रूप में प□श करता है □ो ईरान को विभा□ित करना चाहत□ हैं या इस□ विद□शियों क□ प्रभाव में रखना चाहत□ हैं। हर कोई □ानता है कि उसक□ विरोधी क□वल द□शभक्त हैं, सर्वोच्च □धिकारियों और विद्वानों और सम्मानित और □ानकार प्रचारकों और पवित्र रा□न□ताओं स□ ल□कर पूर□ ईरान में मदरसों और विश्वविद्यालयों क□ छात्रों तक और धोख□ा□ किसानों और श्रमिकों स□ और कुछ न□ झूठ सुना और प्रतिबद्ध और □िम्म□ार हैं द□श भर में बा□ार, उनमें स□ कौन □लगाववादी है या विद□शी प्रभाव स□ सहमत है? यह व्यक्ति वह रा□ा है □िसन□ विद□शियों, विश□ रूप स□ संयुक्त राज्य □म□रिका को पूर□ द□श पर हावी कर दिया है, और तुरंत □पन□ टैंक उन्हें द□ दिए हैं, उन्हें प्रतिरक्षा दी है, और यहां तक कि स□ा पर भी शासन किया है, और कभी-कभी ईरान को एक विनम्र उपभोक्ता बना दिया है। संयुक्त राज्य। वह कम्युनिस्टों क□ खतर□ स□ द□श को डराता है कि □गर वह छोड़ द□ता है, तो द□श उनक□ हाथों में पड़ □ाएगा और कुछ □ो तथ्यों को नहीं □ानत□ उन्हें धोखा दिया □ा सकता है। संयुक्त राज्य □म□रिका क□ हाथों ईरान में साम्यवाद, क्योंकि तुद□ पार्टी □ंग्र□ों द्वारा बनाई गई थी। "सूचनाकारों क□ □नुसार, पूं□ीवाद और साम्यवाद द्वारा बंदी बनाए गए राष्ट्रों क□ राष्ट्रीय और धार्मिक मुक्ति विद्रोह को विफल करन□ क□ लिए इस क्ष□त्र क□ सबस□ गर्म कम्युनिस्ट □म□रिकी संक्ष□प हैं, □िस□ हमन□ हाल क□ वर्षों में एक उल्ल□खनीय उदाहरण क□ रूप में द□खा है।"

क्रांतिकारी द□शों में, इस्लामी उम्माह की आकांक्षाएं उम्मीद क□ मुताबिक पूरी नहीं हुईं! इन द□शों (मिस्र, यमन, लीबिया, ट्यूनीशिया,

आदि) में ऐसी कौन सी समस्याएं हैं □न्हें संबोधित करन□ की आवश्यकता है? साथ ही, □न्य द□श □नक□ पास विभिन्न हैं आंतरिक और बाहरी समस्याएं, सभी एक बड़ी समस्या स□ग्रस्त हैं! और वह है परिस्थितियों क□ एक व्यापक न□ा की कमी। एक योग्य न□ा क□ बिना राष्ट्र □पन□लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर□ा। न□ा और राष्ट्र शरीर और आत्मा हैं। शरीर क□ रूप में राष्ट्र आत्मा की तरह न□ा है। आत्मा क□ बिना शरीर का कोई व्यक्तित्व नहीं है। यह आत्मा है □ो शरीर को ज्ञान द□ी है। ल□िन शरीर क□ बिना, आत्मा □पनी शक्ति और क्षमता नहीं दिखा सकती है। पवित्र कुरान 'न□ा और राष्ट्र क□ लिए शर्तें निर्धारित करता है। शर्तों में शामिल हैं:

-1□ंतर्दृष्टि

□ागृति क□ लिए सबस□ महत्वपूर्ण शर्तों में स□एक समा□ की विभिन्न घटनाओं में □ंतर्दृष्टि है। □गर न□ा और राष्ट्र में □ंतर्दृष्टि पैदा की □ाती है, तो कई □ंध□ ऐतिहासिक बिंदु बीत □ाएंग□ □ागरण और इस□ □ारी रखन□ में □ंतर्दृष्टि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शब्द □ंतर्दृष्टि ल□ख स□ ली गई है। "बी-आर" है। राघ□ न□ हृदय की समझ को □न्तर्दृष्टि माना है। कुछ न□ दृष्टि का □र्थ समझन□ क□ लिए □ंतर्दृष्टि ली है।

कुरान में इस पदार्थ क□ ड□रिव□टिव का व्यापक रूप स□ उपयोग किया गया है; सामान्य तौर पर, □ंतर्दृष्टि और दृष्टि का □र्थ है दृष्टि, □ो कभी-कभी बाहरी आंख स□ किया □ाता है और एक संव□दी पहलू होता है, और कभी-कभी आंतरिक आंख और बुद्धि क□ साथ होता है, और इसका □र्थ मानसिक और हृदय की धारणाएं होती हैं। कई छंदों में, बसीर को भगवान क□ लिए एक विश□ता क□ रूप में वर्णित किया गया है।

पवित्र कुरान में, □ंतर्दृष्टि को □ागृति का आधार माना □ाता है और इसकी सबस□ महत्वपूर्ण शर्तों में स□ एक है, "□ंतर्दृष्टि क□ लिए भगवान स□ यह एक मूंछ की प्रार्थना कहो, मैं हूं और मैं □नुयायी हूं।" भाष्यकारों न□ इस श्लोक में □न्तर्दृष्टि क□ लिए भिन्न-भिन्न □र्थ दिए हैं, □ैस□ निश्चितता और सत्य; ज्ञान; मार्गदर्शन और प्रकाश; और

निर्णायक तर्क। ऐसा लगता है कि □ंतर्दृष्टि □निवार्य रूप स□सही गलत में □ंतर करन□का साधन है, और उपरोक्त □र्थ आवश्यक हैं और ऐसी ची□ का परिणाम है, इसका □र्थ नहीं।

यदि राष्ट्र क□ पास सही गलत (□ंतर्दृष्टि) में □ंतर करन□का साधन है, तो वह □सली न□ता को झूठ□ न□ता स□□लग कर द□□ा। सही और गलत का रास्ता उन पर संद□ह नहीं कर□□ा। इस कविता में, न□ता की □ंतर्दृष्टि और राष्ट्र की चर्चा है। समा□ में □ागृति और सामा□िक परिवर्तन क□ लिए परिस्थितियों को सुगम बनान□क□ लिए न□तृत्व क□ पास पूर्ण □ंतर्दृष्टि होनी चाहिए। ऐसा लगता है कि यह परमाणु और पूर्णता का उदाहरण है, एकाधिकार की कविता को व्यक्त करन□क□ लिए नहीं।आमिर □ल-मुमिनिन (pbuh) न□□पनी □ंतर्दृष्टि की ओर इशारा किया: लाया है। "वास्तव में, म□र□ पास एक □ंतर्दृष्टि है □िस□मुझस□□लग नहीं किया □ा सकता है। मैंन□ सत्य को □पन□आप स□नहीं छुपाया है, और यह मुझस□छिपा नहीं है।" सुन्नी विद्वान इब्न □बी □ल-हदीद □ल-मुताज़िली न□"और यह □ंतर्दृष्टि क□ साथ है" शब्दों पर □पनी टिप्पणी में कहत□हैं: "वही □ंतर्दृष्टि □भी भी म□र□ पास है।" यह वाक्य सूरह युसूफ क□ एक सौ आठ छंद को संदर्भित करता है। वह इमाम □ली (pbuh) की तरह एक व्यावहारिक न□ता थ□ □िन्होंन□ काफिरों क□ साथ तीन युद्ध किए, कासिन और मारकिन, खरि□ियों क□ साथ लड़ाई, कोई और उनस□नहीं लड़ सकता था।

कुरान में, ईश्वर न□फुरकान की व्याख्या क□ साथ □ंतर्दृष्टि की □वधारणा का उल्ल□ख किया है और क□वल उन लोगों को माना है □ो इसक□ योग्य हैं। कुछ विद्वानों न□फोरकान की व्याख्या □ंतर्दृष्टि क□ समान ही की है। कुरान क□ कुछ □नुवादकों न□भी □ंतर्दृष्टि क□ साथ इसकी व्याख्या की है। कुछ टीकाकार इस□हर कहत□हैं; धर्म में प्रकाश; न्यूरोलाइट; गूढ़ चमक; विज्ञान □ो सही और गलत क□ बीच □ंतर करता है; □ीत और मार्गदर्शन का मतलब है। □ल्लामा का मानना है कि "फुरकान" का □र्थ कुछ ऐसा है □ो दो ची□ों क□ बीच □ंतर करता है, कविता में यह सही और गलत

के□ बीच है, विश्वासों में फुरकान □विश्वास और गुमराह स□विश्वास और मार्गदर्शन का □लगाव है, और व्यवहार में, आज्ञाकारिता का □लगाव और हर भगवान -सुखदायक कर्म पाप स□होता है और हर कर्म उसके□ क्रोध का कारण बनता है, और राय और राय में □ंतर सही विचार को गलत विचार स□□लग करना है।

ऐसा लगता है कि □ल्लामेह का □र्थ किसी भी चीज़ स□ □धिक सटीक है। □ो सही और गलत को □लग करता है उसके□ □लग-□लग उदाहरण हैं □िनका उल्लेख व्याख्याओं में किया गया है □ैस□ कि प्रकाश, ज्ञान का मार्गदर्शन, □ीत, आदि। और झूठ □च्छा और बुरा है, दोस्त और दुश्मन और सुख-दुःख के□ कारणों को □ानकर यदि मनुष्य इन सत्यों को भली-भाँति □ान ल□तो वह शीघ्र ही □पन□गंतव्य तक पहुँच □ाएगा। एक व्यक्ति और एक समा□ □ो धर्मपरायणता का □भ्यास करता है, भगवान उस□विशेष □ंतर्दृष्टि और ज्ञान प्रदान करत□हैं, □ो □ीवन पथ में बहुत उपयोगी है। यह फिसलन और नकारात्मक परिवर्तनों को रोकता है। यह उस□सही रास्ता दिखाता है।

पवित्र लोग न केवल सही और गलत को पहचानत□हैं, बल्कि □ब व□शैतान के□ प्रलोभनों में फंस □ात□हैं, तो व□□ल्दी स□नोटिस कर लेत□हैं, और व□सच्चाई को □ंतर्दृष्टि के□ प्रकाश स□समझत□हैं, और व□शैतान के□ प्रलोभनों के□ □ाल स□बच □ात□हैं। क्षेत्र के□ राष्ट्र दुष्ट □ानवरों को पहचानत□ हैं, उनका पक्ष लेत□ हैं और उनके□ खिलाफ नारे□लगात□हैं।

दैवीय मूल्यों वाला एक □ंतर्दृष्टिपूर्ण राष्ट्र समा□ में □ागृति के□ निर्माण को गति देता है।

समा□ में मनुष्य को हमेशा मार्गदर्शन करन□के□ लिए एक मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है। उसके□ सकारात्मक और नकारात्मक कर्मों का आकलन करें। यदि वही व्यक्ति किसी दूसरा के□ लिए □िम्मेदार हो □ाता है, तो न केवल उसके□ पतन का खतरा होता है, बल्कि राष्ट्र के□ पतन का खतरा भी बढ़ □ाता है। समा□ में लोगों की □ंतर्दृष्टि और सरकार के□ प्रदर्शन और उनकी भूमिका इस प्रकार थी:

"हम□शा दुश्मनों को □ंतर्दृष्टि और खुली आँखों स□ द□खें। मैं एक बार फिर इस्लामिक गणराज्य क□ न□ताओं स□ किसी और स□ नहीं बल्कि सर्वशक्तिमान ईश्वर स□ डरन□ और □पनी पीठ बंद करन□ और भ्रष्टाचार और पूं□ी की व□श्यावृत्ति क□ खिलाफ लड़ाई और □िहाद बंद करन□ का आह्वान करता हूं। पश्चिम और साम्यवाद की मूर्खता और आक्रामकता को हमें मारन□ न दें क्योंकि हम □भी भी पश्चिम और पूर्व क□ खिलाफ □पन□ वैश्विक संघर्ष क□ पहल□ चरण में हैं।

क्या यह इसस□ कहीं □धिक है कि हम नरभक्षी द्वारा परा□ित और नष्ट होत□ प्रतीत होत□ हैं? क्या यह हमें दुनिया में हिंसा और पवित्रीकरण स□ परिचित करान□ स□ कहीं ज्यादा है? क्या यह इसस□ कहीं □धिक है कि व□ □पन□ हत्यार□ और कुटिल □यादी को हलकों और घरों में प्रभावित करक□ इस्लाम और मुसलमानों की गरिमा का उल्लंघन करत□ हैं? क्या इसस□ कहीं बढ़कर शुद्ध मुसलमान इस्लाम क□ प्यार□ बच्चों को पूरी दुनिया में फांसी क□ फंद□ पर लटकाया □ाता है? क्या यह इसस□ कहीं □धिक है कि दुनिया में हिज़्बुल्लाह महिलाओं और छोट□ बच्चों को बंदी बनाया □ा रहा है? नीच भौतिक □गत् हमार□ साथ ऐसा कर□, परन्तु हम □पना इस्लामी कर्तव्य निभाएं। आ□, पहल□ स□ कहीं □धिक, शुद्ध मुहम्मदन इस्लाम क□ प्रति □हंकारी घृणा और शत्रुता का पर्दाफाश हो गया है, उन्होंन□ यह □नुमान नहीं लगाया था कि आ□ व□ □पन□ कर्मों स□ और □पमान क□ साथ □पमान और □पमान क□ साथ लौटेंग□। शैक्षिक क्ष□त्र में मुस्लिम महिलाओं क□ हि□ाब का मुकाबला करन□ का मुद्दा शायद पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु □लैहि व सल्लम) की इस्लामी दुनिया की रक्षा की महान □भिव्यक्ति को कम करन□ क□ लिए एक कुटिल कदम है, हालांकि यह घटना स्वयं में स□ एक है दर्द □ो मुस्लिम राष्ट्रों को भुगतना पड़ता है तथाकथित स्वतंत्र दुनिया में, मुस्लिम महिलाओं और लड़कियों का हि□ाब हटान□ का दायित्व लोकतंत्र क□ समान है, और क□वल हमन□ ही कहा है कि □ो कोई इस्लाम क□ पैगंबर (शांति और आशीर्वाद) का □पमान करता है उस पर □ल्लाह तआला हो) और मुस्लिम न्यायविदों की सहमति पर □मल पर फतवा द□त□ हैं, यह आ□ादी क□ खिलाफ है! वास्तव में, दुनिया किसी ऐस□ व्यक्ति क□ बार□ में चुप क्यों है □ो मुस्लिम लड़कियों को इस्लामी व□श्या में विश्वविद्यालयों में पढ़न□ या पढ़ान□ की □नुमति नहीं द□ता है?

सिवाय इसक□कि स्वतंत्रता की व्याख्या और उसका उपयोग पवित्र स्वतंत्रता क□ आधार का विरोध करन□वालों क□ □धिकार में है? आ□ भगवान न□हमें □म्मद□वार बनाया है, हमें उपक्षा नहीं करनी चाहिए। आ□ कठोरता, चुप्पी और चुप्पी स□लड़ना होगा और क्रांति क□उत्साह को बनाए रखना होगा। आत्मसंतुष्ट न हों, हमलावरों क□साथ संबंध स□प्रसन्न न हों, और उनक□साथ संचार क□विच्छद स□पीड़ित न हों। हमश□ा घूरें शत्रुओं पर □ंतर्दृष्टि और खुली आँखों क□साथ, और उन्हें □क□ला मत छोड़ो।

लोगों को □ पनी सेवा के बारे में बताएं

किसी भी मामल□में, आपक□लिए □ो महत्वपूर्ण है वह है सभी वर्गों, विशष□कर उत्पीड़ितों, विशष□कर वंचितों की सव□ा करना, □ो पूर□इतिहास में वंचित रह□हैं, इन गरीब लोगों की। आपको उनकी सव□ा करनी चाहिए और उनकी सव□ा करनी चाहिए और □ब यह कहा □ाता है, तो कार्रवाई का पालन करना चाहिए और ईश्वर की इच्छा है, मुझ□आशा है कि यदि प्रा□णा ऐसी है और आप सफल होत□हैं और भगवान की इच्छा होती है और आप सफल होत□हैं, भगवान की इच्छा, इस राष्ट्र की सव□ा करन□क□लिए, यह दश□ा आपक□साथ है। और तानाशाही का कोई मकसद नहीं है, और न ही आप मुनाफाखोर हैं □ो चाहत□हैं। यह स्पष्ट करें कि आपक□साथ हर कोई गलत है, आप लोगों की समस्याओं क□दबाव में हैं, आप ऐस□नहीं हैं और आप कर सकत□हैं न हो, और □ब तक ऐसा है, तब तक आप लोग हैं, □न लोगों क□साथ आप हैं व□आपक□साथ हैं और □ब लोग आपक□साथ हैं तो कोई नुकसान नहीं है।

लोगों को यह बताने के लिए बाध्य रहें कि आप क्या करते हैं

आ□ हमारी दुर्दशा वही है □ो दश□ी □ाती है। आप □ो कुछ भी करत□ हैं, यदि आप मतभद□ों को सुलझान□की कोशिश नहीं करत□हैं, तो आपक□ कार्यों की आलोचना उन लोगों द्वारा की □ाएगी □ो इसमें दोष खो□ना चाहत□हैं। इसमें कोई शक नहीं है। □ो लोग बा□ार और गली और इस तरफ और उस तरफ और स्प□क□आसपास गिर गए हैं, व□य□काम करत□हैं, और यदि आप समान उच्च स्तर पर इन मतभद□ों को बुद्धि और विवक□क□ साथ हल करन□का प्रयास करत□हैं, तो उन्हें हल करन□क□लिए बहुत प्रयास करें। . ईश्वर की इच्छा है, मन की शांति होगी, और उस शांति में □तनी □ल्दी चीज□ें की □ाती हैं, उतना ही □च्छा है।

य□ बातें □ो आपन□ मुझ□ इतन□ सीमित कमर□ में बताईं, यह ब□तर है कि प्रत्य□क सज्जन □ो किसी ची□ क□ प्रभारी हैं, □ब व□ कुछ करत□ हैं, तो र□डियो पर □ाकर कहें और लोगों स□ पूछें कि सभी को एक समस्या है, उदाहरण क□ लिए , हम, इसक□ विपरीत हम कहत□ हैं, उन्हें सूचित करन□ दें, उन्हें समाचार पत्रों में सूचित करन□ दें, उन्हें स्वयं सार्व□निक रूप स□ सूचित करें कि हमन□ बि□ली क□ बार□ में □ो कहा, हमन□ □न्य ची□ों क□ बार□ में कहा, □गर लोग मानत□ हैं कि यह मामला नहीं है और गणतंत्र कुछ भी नहीं किया है इस्लाम, ल□किन यह तगुत क□ समय में वापस चला गया है।

और □गर व□ नहीं आत□ और कहत□ हैं, तो पता चलता है कि हमन□ काम किया और लोग उनकी नहीं सुनत□ □ो कहत□ हैं कि सरकार न□ कुछ नहीं किया और कुछ नहीं कर सकत□। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आपक□ इस घोषणा क□ बाद □ब कोई समस्या नहीं है, ल□किन यह घट रहा है, लोगों क□ बीच यह घट रहा है, भल□ ही इस□ कहन□ वाल□ कह रह□ हों, ल□किन लोग □ब इस पर विश्वास नहीं करत□ हैं। ब□शक, आप में स□ कुछ कहत□ हैं कि आप □ो कर रह□ हैं उसक□ बार□ में आप चुप हैं, ल□किन व□ यह सब नहीं कहत□ हैं। आप, आप □ो भी मंत्रालय में हैं, आप किसी भी मंत्रालय क□ मंत्री हैं। उन्होंन□ कहा, "व□ व्यक्तिगत हैं पू□ा क□ कार्य □ो किसी को नहीं कहना चाहिए, ल□किन आपन□ □ो कर्म और स□वा की है, यदि आप इस□ नहीं कहत□ हैं, तो यह भ्रष्ट है, यानी इस□ कम□ोर करता है, ल□किन यदि आप राष्ट्र को बतात□ हैं, तो सभी को □पन□ □पन□ मुद्द□ बताएं कि हमन□ य□ ची□ें कीं।" , टीवी पर, र□डियो पर घोषणा करें, और फिर घोषणा करें कि □ो कोई भी हमार□ द्वारा किए गए विरोध का विरोध करता है, "हम सही नहीं हैं, चलो कहत□ हैं। हमन□ उसक□ लिए □ो कुछ भी किया, □गर नहीं किया, □गर व□ दावा करत□ हैं कि हमन□ ऐसा नहीं किया, तो उन्हें ऐसा कहन□ दें और इन दो वर्षों और इन लंब□ वर्षों क□ बीच तुलना करें कि वह एक □त्याचारी था।

आप जो कुछ भी करते हैं उसे प्रेस में प्रकाशित करें

मैंन□ उसस□ कहा कि मुर्गी □ंडा द□ती है, द□खो कितना शोर

करती है, क्या घोषणाएं करती है, □ंडा कैस□दा□ती है, तुम काम करो और चुप रहो, यह मत सोचो कि हम भगवान क□ लिए चुप हैं, नहीं बताओ भगवान, क्योंकि य□राक्षस इस दृश्य को यह कहन□क□ लिए दृश्य रह□हैं कि कुछ नहीं किया गया था, इस्लामी गणराज्य आया और कुछ भी नहीं, पहल□ □ैसा। य□ □न्यायी लोग, □ो □ब खुद बेक़ाबू हो गए हैं और सड़कों पर और हर □गह □नर्गल हैं, □ो कुछ भी करना चाहत□हैं वह करना चाहत□हैं, और फिर सांस नहीं ल□सकत□ कुछ नहीं, □ैसा कि मुझ□बताया गया है, □गर इस्लामी गणतंत्र न□लोगों क□ साथ, इन दो वर्षों, डढ़ साल क□ दौरान □तनी भी मुसीबतें झेल□ी हैं, वह राशि उस राशि स□□धिक है, □ो उन्होंन□ इस दौरान नहीं की थी। उनक□ शासनकाल में व□उस समय की तुलना में □धिक हैं □ो एक न्यायसंगत सरकार न□ किया था, ल□किन ऐसा नहीं कहा □ाता है। लोग, आप आपूर्ति नहीं करत□हैं। किसी भी मामल□में, यह भी दोष का एक हिस्सा है,

हमें सब कुछ करना है, सज्जनों, आप □ो कुछ भी करत□हैं उस□ प्रेस में, रेडियो पर, टेलीवि□न पर, रेडियो पर, प्रेस में प्रस्तुत करत□ हैं। कभी-कभी यह टीवी पर एक लघु फिल्म की तरह दिखता है, लोगों को लगता है कि यह था। यदि श्री बहोनार कल यहाँ होत□और □ो विद्यालय बन□उनका मामला होता, तो व□कहत□ विद्यालय पंद्रह ह□ार विद्यालय हैं, □ो कुछ ही दिनों में, कुछ ही दिनों में, पंद्रह ह□ार समाप्त हो □ाएंग□दस ह□ार हो चुक□ हैं। समाप्त, और उनक□ पूर□ इतिहास में, पूर□ इतिहास में, ईरान क□ पूर□ इतिहास में तीन विरोधी रह□हैं, और यह पंद्रह ह□ार उनक□ द्वारा शुरू स□□ब तक किए गए सभी कार्यों क□ एक तिहाई क□ बराबर है। इस□बनाया गया है, कैस□कितन□स्नानागार बनाए गए हैं, कितनी भूमि का पुनर्वास किया गया है, कितना डामर बनाया गया है, बहुत काम किया गया है, य□बातें लोगों को बताई □ानी चाहिए ताकि व□ न सोचें, राक्षस कुछ भी नहीं कहना चाहत□हैं किया गया था, कुछ नहीं किया गया था, □च्छा यह किया गया है, ल□किन यह एक ऐसा दृश्य है □स□किया □ाना चाहिए। फिर, भगवान की मर्ज़ी, यह होगा,

और □ब आपको एक प्रयास करना होगा, सज्जनों, एक प्रयास करें ताकि य□ची□ें आग□बढ़ सकें।

लोगों को बताएं कि आपन□क्या किया है, पिछल□कुछ वर्षों में क्या हुआ है, सज्जनों न□इसक□ बार□में कुछ बातें कही हैं, और निश्चित रूप स□उन सभी की गिनती करना संभव नहीं है □िन्होंन□ इन भाषणों और बैठकों की गिनती की, और हम नहीं करत□उन्हें गिनन□की शक्ति है। और मैंन□बार-बार प्रभारी लोगों स□कहा है कि राष्ट्र को बताएं कि आपन□इतनी बड़ी मात्रा में क्या किया है, खासकर □ब आप दखत□हैं कि सभी मास मीडिया और सभी विचलित लोग लगातार दुनिया को बता रह□हैं कि इस्लाम क□ लिए यह □ीत हासिल की गई है। दूर नहीं है, लकिन यह गणतंत्र घट रहा है। लोगों को बताएं कि आपन□क्या किया है यह संभव है कि उन लोगों क□ समूह क□ बीच यह प्रचार □ो मुद्दों स□परिचित नहीं हैं, एक समय में भगवान को प्रभावित नहीं करेंग□।

□ितना हमन□उन प्रभारी लोगों स□सुना है, हर पहलू में, आपन□ दखा है कि इस इस्लामी गणराज्य न□कम□ोर और उत्पीड़ितों क□ लिए □ो काम किया है वह एक बड़ी मात्रा है □ो इस पिता क□ शासनकाल क□ दौरान हासिल नहीं हुई है और खलाफ क□ बद□हम दखत□हैं कि व□□हां भी □ात□हैं, पर्यवक्षक □ात□हैं और कार्य करत□ हैं, वहां क□ लोग उन्हें लगभग वही बतात□हैं □ो हमार□पास नहीं है, □ो हमार□ पास नहीं है। यहां तक कि उन्होंन□ गरीबों और □रूरतमंदों क□ लिए एक उचित मार्ग नहीं बनाया, और उन्होंन□इन गांवों क□ लिए एक क्लिनिक नहीं बनाया, और य□गांव पूरी तरह स□ पीड़ित थ□। और इस छोटी सी □वधि क□ दौरान, □ो सभी आंतरिक और बाहरी परशानियों स□ त्रस्त है, इस्लामी गणराज्य, मामलों क□ प्रशासकों और राष्ट्र न□स्वयं इतनी महनत की कि उन मुसीबतों में □ीवित रहन□में सक्षम होन□की उम्मीद नहीं थी, बल्कि इसलिए कि उनक□ पीछ□ सर्वशक्तिमान का आशीर्वाद है। "उसन□ सवा की है, और वह इस संबंध में बहुत सफल रहा है।"

क्रांति क□ सर्वोच्च नता, ग्रैंड □यातुल्ला खामनई (□स) दृश्य पर

लोगों की उपस्थिति को □ंतर्दृष्टि क□ उदाहरण क□ रूप में मानत□ हैं और ईरानी लोगों का वर्णन इस प्रकार करत□ हैं: व□ इस□ रोक सकत□ हैं। लोग हर □गह हैं। यह हमारी क्रांति की विश□ता है। दुनिया में ऐसी कोई क्रांति नहीं है। मैं यह □ंतर्दृष्टि और करीबी ज्ञान स□ कहता हूं, और यह एक □पवाद है यह एक ऐसी सरकार की ओर स□ है □ो लोगों पर भरोसा नहीं करती है। □म□रिकी □ासूसी ए□ेंसी क□ ए□ेंटों द्वारा किसी द□श में क्या हटाया और छोड़ा □ा सकता है, वह सरकार या सरकार है □िसका लोगों स□ कोई ल□ना-द□ना नहीं है और □िस□ लोगों क□ भारी समर्थन का समर्थन नहीं है। □िस सरकार क□ विरुद्ध कोई विद□शी शत्रु बलपूर्वक चार लोगों क□ विरुद्ध तख्तापलट कर सकता है, वह गद्दी पर बैठी सरकार है, ल□किन □नता उसस□ □ुड़ी नहीं है। लोग □पन□ लिए □ात□ हैं और वह □पन□ लिए □ाता है

इस्लामिक परामर्शदात्री सभा - निर्भर और लोगों स□ □ुड़ी और उनक□ द्वारा समर्थित, समर्थित और समर्थित - इस्लामी गणराज्य की प्रणाली है, □ो न तो संयुक्त राज्य □म□रिका और उसक□ सहयोगी और न ही पूर्व और पश्चिम - उस दिन □ब दो थ□ दुनिया में महान शक्तियाँ - और न ही कोई शक्ति "इस व्यवस्था और सरकार को विघटित और हिला सकती है।"

.2धीरज

□ागृति, निरंतरता और इस□ बनाए रखन□ की शर्तों में स□ एक है पथ और लक्ष्य में दृढ़ता। प्रतिरोध क□ बिना एक राष्ट्र एक □ागृत राष्ट्र नहीं है। कुरान □ीत हासिल करन□ क□ लिए न□तृत्व और राष्ट्र क□ धीर□ पर □ोर द□ता है। क्ष□त्र क□ लोगों की उल्ल□खनीय □ीत, और कठपुतली तानाशाहों को उखाड़ फेंकना, न□ताओं और राष्ट्रों क□ धीर□ का फल है। क्ष□त्र।

इमाम खुमैनी न□ द□श की आ□ादी और दुश्मनों की सा□िशों और उनस□ लड़न□ की □रूरत पर □ोर दिया और कहा कि सम्मान□नक □ीवन □ीन□ का एक ही तरीका है कि खड़□ हो □ाएं और इस द□श को धूल-मिट्टी में मार दें, विश्वास न करें, पहला, दूसरा,

□गर वह आएगा, तो उसकी स□ा द□खा□ा। हम महाशक्तियों क□ आर्थिक नाक□बंदी और सैन्य नाक□बंदी और सैन्य हस्तक्ष□प स□ डरत□ नहीं हैं, यह मानकर कि व□यहां प्रव□श करत□हैं, हम शक्ति क□ साथ उनक□ खिलाफ खड़□होंग□और □न्य इस्लामी राष्ट्र भी उनक□ खिलाफ खड़□होंग□। शक्ति क□ साथ हमें □पन□द□श में नहीं, बल्कि दुनिया में इस्लाम क□ नियमों को लागू करन□क□ लिए आग□बढ़ना चाहिए।

यदि हमन□ संयुक्त राज्य □म□रिका और महाशक्तियों क□ सामन□ आत्मसमर्पण कर दिया होता, तो स्पष्ट सुरक्षा और समृद्धि होती, और हमार□ कब्रिस्तान हमार□ प्रिय शहीदों स□नहीं भर□ होत□, ल□किन निश्चित रूप स□हमारी स्वतंत्रता, स्वतंत्रता और सम्मान खो □ाता। दास और बंदी बनें? क्या हम संयुक्त राज्य □म□रिका और सरकारों पर □विश्वास करेंग□ताकि कुछ ची□ें सस्ती हो □ाएं और हम शहीद और घायल न हो □ाएं? राष्ट्र कभी भी इस कलंक क□ □धीन नहीं होगा और इस □पमान क□ आग□नहीं झुक□गा। ईरानी राष्ट्र संयुक्त राज्य □म□रिका क□ खिलाफ खड़ा है और, ईश्वर की इच्छा स□वि□यी है। भगवान न□इतना □ोर दिया है कि हम उनक□ प्रति निष्ठा नहीं रखत□हैं। »।

ग्रैंड □यातुल्ला □ली खाम□ई (□स) की क्रांति क□ न□ता दुश्मन क□ खिलाफ लड़ाई में धीर□ क□ बार□में कहत□हैं:

"हम संयुक्त राज्य □म□रिका और सोवियत संघ की खातिर युद्ध क□ आठ वर्षों क□ दौरान दुनिया क□ किसी भी मुद्द□ पर कम नहीं हुए," उन्होंन□कहा। हर कोई हमें हर तरफ स□कह रहा था कि संयुक्त राज्य □म□रिका और सोवियत संघ क□ लिए आपक□ साथ दयालु और सौम्य होन□ का तरीका है कि आप □पन□ खुद क□ □िद्दी पदों को कम करें और पीछ□ हटें! "ल□किन ईरानी राष्ट्र क□ महान न□तृत्व और इस महान और बहादुर राष्ट्र न□एक कदम पीछ□ नहीं लिया।"

कहीं और, सर्वोच्च न□ता कहता है: "□म□रिकी शासक इस्लामी व्यवस्था क□ खिलाफ हम□शा □पनी □नुभवहीनता, □शिष्टता और मानवीय सच्चाइयों की □ज्ञानता क□ कारण विफल रह□हैं, और

उनकी धमकियों का इस्लामी ईरान क□ लोगों और न□ताओं की इच्छा और दृढ़ता पर बहुत कम प्रभाव पड़ा है। ।" नहीं है; क्योंकि दैवीय परंपरा क□ □नुसार सद्गुण क□ शत्रु दैवीय आस्था पर आधारित महान भवन में प्रव□ा नहीं कर पात□हैं।

इस □हंकारी भावना क□ साथ, संयुक्त राज्य □मरीका न□ईरानी राष्ट्र को □पन□ घुटनों पर लान□ और उस□ पीछ□ हटन□ क□ लिए म□बूर करन□की पूरी कोशिश की; ल□किन उनकी इच्छा क□ बाव□ूद, हमार□इस्लामी गणराज्य की राष्ट्र, सरकार, क्रांति और व्यवस्था म□बूत और □धिक दृढ़ हो गई, और इस संघर्ष में और इस लोकप्रिय और इस्लामी क्रांति क□ सामन□वैश्विक □हंकार हार गया।

... वर्तमान □मरीकी प्रशासन की भोल□पन और □शिष्टता का प्रमाण इस बात स□है कि व□यह नहीं समझ पाए हैं कि हमार□ महान, बहादुर और आत्म-बलिदान वाल□ दृ□ा और ईरान क□ आध्यात्मिक □धिकार वाल□ दृ□ा क□ खिलाफ किए गए बुर□ कार्य एक घोटाल□क□ □लावा और कुछ नहीं हैं। कि इन ग्यारह वर्षों में, यदि संयुक्त राज्य □मरीका इस्लामी गणराज्य को नष्ट कर सकता है, तो वह कर□ा; ल□किन वह नहीं कर सका। इमाम न□□ो कहा उसका यही □र्थ है और इमाम की इसी व्याख्या क□ साथ यह सच है कि: (□मरीका कोई गलती नहीं कर सकता)।

पंद्रह साल पहल□ □ब महान इमाम न□कहा: (□मरीका कुछ भी गलत नहीं कर सकता), कुछ लोगों न□कहा: क्या कारण है कि वह कुछ भी गलत नहीं कर सकता? शायद उसन□गलती की; ल□किन □गर हम आ□ कहें (□मरीका गलत नहीं कर सकता), तो हमार□पास पिछल□15 साल एक दस्ताव□ क□ रूप में हैं। व□□ब तक क्या कर सकत□थ□□ो उन्होंन□नहीं किया? आपन□ दृ□ा कि व□कोई गलती नहीं कर सकत□थ□।

ईरान की इस्लामी क्रांति, शपथ ग्रहण करन□वाल□शत्रुओं की स्पष्ट और छिपी शत्रुता क□ बाव□ूद, □भी भी □पनी सहनशक्ति और स्वतंत्रता को बनाए रखती है, और इस□□न्य राष्ट्रों क□ प्रतिरोध क□ प्रतीक क□ रूप में मान्यता दी गई है। दिव्य व्यक्ति (□ो एक

□ीवित वयोवृद्ध और शहीद है) खुद) न□इमाम खुमैनी क□ □ीन□ क□ □धिकार को पूरा किया है।उन्होंन□क्रांति को किसी भी पथभ्रष्ट मार्ग स□बचाया है।

कहीं और, सर्वोच्च नेता कहत□ हैं कि राष्ट्र की सहनशक्ति और दब□कुचल□राष्ट्र स□□भिमानी शक्तियों का बदला: खड़□रहना ही एकमात्र उपाय है।

संयुक्त राज्य □मरिका क□ नेतृत्व में □भिमानी शक्तियों न□ उन्नत मानव ज्ञान और प्रौद्योगिकी पर एकाधिकार कर लिया है और पूरी दुनिया को म□बूर करना चाहत□ हैं; लेकिन हम उनक□ खिलाफ खड़□ हैं, और हम किसी भी तरह स□ आक्रामक दुश्मन, □त्याचारी □बरदस्ती, उस □हंकार क□ आग□ झुकन□ क□ लिए तैयार नहीं हैं, □सन□आ□ क□ □त्याचारी और विद्रोही राज्य में प्रकट होन□ वाल□ दिव्य और आध्यात्मिक मूल्यों क□ खिलाफ विद्रोह कर दिया है। □मरिका। भौतिक शक्तियाँ कुछ भी गलत नहीं कर सकतीं! व□उस राष्ट्र क□ साथ कुछ नहीं कर सकत□□ो □पनी ताकत पर खड़ा और निर्भर है। उनक□ लिए सार□ रास्त□ बंद हैं। □गर व□सख्त हैं, तो व□हार □एंगा□ □गर व□दबाव डालत□ हैं, तो व□हार □ात□ हैं। □गर व□हमला करत□ हैं, तो व□हार □ात□ हैं; क्योंकि एक राष्ट्र में प्रतिरोध का सार उत्तम और बहुमूल्य का सार है।

इस दृष्टा और सरकार क□ भगवान की कृपा स□नौकर और □म्मद्दार विश्वासियों और क्रांतिकारियों न□ □पन□ ही इमाम स□ पहाड़ की तरह □मरिकी थोपन□ क□ खिलाफ खड़ा होना सीखा है। हमार□ दुश्मन ईरानी राष्ट्र और दृष्टा क□ नेताओं को धमकी, हमला, □ासूसी, □पमान करक□ दृष्टा को पीछ□ हटन□ क□ लिए म□बूर करना चाहत□ हैं। खड़□ रहना ही इला□ है।

य□ है इस्लामिक रिपब्लिक और य□ ज़ुल्म क□ ख़िलाफ़ संघर्ष का झंडा लहराया□ा. किसी भी आधिपत्य और दमनकारी शक्ति क□ सामन□ □ो राष्ट्रों क□ खिलाफ □पनी संगीन पर निर्भर है, भल□ ही वह संयुक्त राज्य □मरिका, संयुक्त राज्य □मरिका और □भिमानी दुनिया और ज़ायोनीवादियों और कंपनियों और नीच भाड़□ क□

सैनिकों और उनक□ विनम्र स□वकों स□ □धिक शक्तिशाली हो। □ो भी वो चाह□□ व□ईरान क□ मुद्दों को नहीं समझत□हैं। लोग हमें नहीं समझत□□ हमारा राष्ट्र प्रिय और विश्वासयोग्य है। यह व्यवस्था ईश्वरीय व्यवस्था है। यह प्राचीन ल□किन युवा और भावुक राष्ट्र समृद्धि क□ पथ को पूरा करन□और □न्य राष्ट्रों क□ लिए एक आदर्श बनन□क□ लिए खड़ा है। "यदि आप इस कण्ठ को पार कर सकत□हैं - □समें स□ आध□ स□ □धिक आप पहल□ ही कर चुक□ हैं - यह सफलता □न्य द□शों क□ लिए एक □च्छा □नुभव होगा।"

लोगों की सामग्री स□ धीर□ का □र्थ है "संयम"। मानव धीर□ रास्त□ स□ □ुड़ा है। राघ□ कहत□ हैं: धीर□ शब्द उस पथ क□ बार□ में है □िस□ "मार्ग का मार्ग हम□शा बनाया गया है और सत्य क□ मार्ग की तुलना उसी पथ स□की गई है।" कुरान सबस□ पहल□ समा□ क□ न□ता को दृढ़ रहन□का आद□श द□ता है। उमा में □ागृति की निरंतरता दृढ़ता की भावना को बनाए रखन□स□ संभव है। सहनशक्ति बहुत कठिन ची□ है। प्रत्य□क व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह □पनी शक्ति स□ दूसरों को धीर□ क□ मार्ग पर आमंत्रित कर□ एक ऐसा धीर□ □ो ज्यादतियों और ज्यादतियों स□ मुक्त हो। यह वर्णन किया गया है कि "इस कविता की तुलना में पैगंबर (सल्लल्लाहु □लैहि व सल्लम) पर कोई गंभीर और □धिक कठिन कविता प्रकट नहीं हुई थी। उसन□ कहा: सूरह हुड और इस घटना न□ मुझ□ बूढ़ा बना दिया!

तपस्या की बात ईश्वरीय न□ता क□ कंधों पर इतनी भारी थी कि दृढ़ता क□ श्लोक क□ रहस्योद्घाटन क□ बाद, किसी न□ उन्हें (शांति उस पर हो) मुस्कुरात□ हुए नहीं द□खा। उदाहरण की व्याख्या में इस श्लोक में उसक□ वृद्धावस्था का कारण (उस पर शान्ति हो) चार कारण मान□ गए हैं।

इमाम और उम्मा की सहनशीलता समा□ में सुरक्षा लाती है, और समा□ □ागृति को स्वीकार करन□क□ लिए ब□हतर मनोवैज्ञानिक स्थिति पाता है। विरोध, उद्द□श्यपूर्ण, विश्वास क□ साथ मूल्यवान है। परंपराएं भी इस पर □ोर द□ती हैं। सहनशक्ति होगी तो □च्छ□

□ीवन क□ लिए परिस्थितियां उपलब्ध होंगी और समा□ में सकारात्मक □ागृति आएगी। कई शिया और सुन्नी टिप्पणीकारों न□ पद्य में दृढ़ता क□ आदर्शों को □न वैन क□ समूह स□संबंधित माना है। □न्य लोग इस□वर्षा □ल कहत□हैं; घडग का □र्थ है प्रचुर मात्रा में पानी; बहुलता और बहुतायत। कुछ व्याख्यात्मक वैज्ञानिकों न□ इसक□ □लग-□लग □र्थ दिए हैं, □ैस□ आकाश स□भारी वर्षा; प्रचुर मात्रा में पानी; भरण-पोषण की सीमा; प्रचुर; कुछ शिया टिप्पणियों में, कविता की व्याख्या इस प्रकार है: इमाम मुहम्मद बाकिर (pbuh) न□कहा: "हमन□बहुत सार□पानी स□सींचा, यानी हमन□उनक□ दिलों को विश्वास स□ सींचा।" इमाम सादिक (□) स□ इस आयत की व्याख्या में रिवायत किया गया है कि उन्होंन□ कहा: "हम उन्हें बहुत ज्ञान द□त□हैं □ो व□इमामों (□) स□सीखत□हैं।" संक्ष□प में, य□ सभी □र्थ न□तृत्व और वफादार और लचीला राष्ट्र पर दिव्य दया और भौतिक और आध्यात्मिक आशीर्वाद की प्रचुरता क□ सममित हैं। यह दिव्य दया कभी पानी क□ रूप में होती है, कभी विश्वास और ज्ञान क□ रूप में होती है। कई आशीर्वाद का प्रावधान है।

दृढ़ता की स्थिति और महत्व पर इमाम खुमैनी न□ इस□ सभी ची□ों क□ शीर्ष पर माना है: "कार्यों में दृढ़ता ची□ों क□ शीर्ष पर है। दृढ़ता इस आंदोलन और क्रांति को हर □गह □ारी रखन□और फैलान□का कारण बनती है। इसमें दो स्थान हैं कुरान, एक सूरह शूरा में और एक सूरह हुड में, ल□किन पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु □लैहि व सल्लम) कहत□ हैं कि उन्होंन□ कहा कि उन्होंन□कहा कि इस कविता में सूरह हुड की □लान संभव नहीं है, सूरह क्यों हुड? कहा? क्योंकि सूरह हुड का एक उप-सिद्धांत है, □ो यह है कि "फस्ताकम आज्ञा की तरह है और मैं दृढ़ता का रोगी हूं", दृढ़ता की आवश्यकता है कि राष्ट्र सीध□हों। उन्होंन□ कहा, "य□भी प्रत्यक्ष होना चाहिए।" वह □ानता था, ल□किन उस□डर था कि हम धीर□ न रखें।

यदि आप द□खत□हैं कि लोगों क□ बीच, लोगों क□ बीच इस आंदोलन क□ लिए निराशा है, तो □ान लें कि दृढ़ता काम नहीं कर

रही है या खो रही है। इन लोगों को उनक□ द्वारा किए गए आंदोलन में दृढ़ बनाए रखें। यह आंदोलन एक ईश्वरीय आदश□ है और भगवान न□कहा है कि मैं एक आज्ञा की तरह उपवास कर रहा हूं और मैं स्थायी हूं क्योंकि पवित्र पैगंबर कुछ भी नहीं स□ आए और वि□य प्राप्त की और प्रकाश हर □गह फैल गया, आप राष्ट्र उस भ्रष्ट शासन क□ बाद, आपन□शून्य स□शुरू किया, □र्थात , □ो कुछ हुआ वह एक ब्रेक□डाउन था और आपन□इस□ सुधारना शुरू कर दिया। ल□किन आध□□ धूर□ कामरा□ मत बनो, कहीं ऐसा न हो कि हम इतनी दूर चल□गए हों और □ब यहाँ स□□पन□ दूसर□ काम पर चल□□ाएँ। सबस□ऊपर यह है कि हम इस दिव्य आदश□ का पालन करत□हैं, □ो एक आदश□ क□ रूप में त□ है, और मैं इस दिव्य आदश□ को पूरा करता हूं। हम इस क्रांति में लग□रह□यानी हमार□ दृष्टा न□इस क्रांति में □ो इस□किया है, और भगवान का शुक्र है कि यह □ब तक □ीता है। आप दुनिया में वि□यी हैं, आप दुनिया में पल□बढ़□ हैं। दुनिया क□ कोन□कोन□में, दुनिया की सरकारें आपस□इस तरह डरती हैं कि एक दिन उनक□ राष्ट्र आपक□ □ैस□ नहीं हो □ाएंगा□। "आप □ब तक □ीत□ हैं, तब तक डट□रहें □ब तक आपको □ंतिम □ीत न मिल □ाए।"

संख्या की कमी स□न डरें

इमाम □ली (सल्लल्लाहु □लैहि वसल्लम) न□□धिकार क□ माध्यम स□धीर□ क□ रास्त□ क□ बार□ में एक विशष्ट आदश□ □ारी किया है। विभिन्न समा□ों में लोग आम तौर पर एक दूसर□ को दृष्टत□हैं और नकली काम करत□हैं, और □हां काम में कठिनाई होती है, व□उस रास्त□को बिल्कुल छोड़ दत□हैं, गलियारा व□□ कल□ छोड़ दत□हैं और आमतौर पर सामा□िक मामल□ऐस□ही होत□हैं, इसलिए ऐसा होन□ की संभावना को दृष्टत□हुए, इमाम समा□ क□ लोगों को मोक्ष का मार्ग दिखात□हैं ताकि किसी भी स्थिति में लोग मार्गदर्शन का मार्ग न छोड़ें। और लोगों की घटी स□नहीं डरत□

इमाम खुमैनी, □मीर □ल-मुमिनिन स्कूल का यह छात्र, □ली (□) क□ रास्त□पर चला और □पन□लक्ष्य स□कम नहीं हुआ।

"शुरुआत में, नबी □पन□ प्रचार में एक थ□ मूसा (उस पर शांति हो) एक व्यक्ति था। निमंत्रण सबस□ पहल□ खुद इमाम स□ शुरू हुआ, और □िस दिन उसन□ □पनी भविष्यवाणी की घोषणा की, वह एक महिला और एक बच्च□ को □पन□ पास लाया, ल□किन पवित्र पैगंबर क□ न□तृत्व क□ लिए □ो दृढ़ता की आवश्यकता है वह पूरी तरह स□ पवित्र पैगंबर (भगवान हो सकता है) में थी। उस□ आशीर्वाद दें और उस□ शांति दें), आग□ बढ़ें और दृढ़ रहें। य□ दो गुण इस्लाम क□ पैगंबर क□ महान लक्ष्यों को आग□ बढ़ान□ में शामिल थ□ विद्रोह और दृढ़ता। इस दृढ़ता क□ कारण उसका हाथ नहीं था और सभी शक्तिशाली ताकतें उसक□ खिलाफ थीं, ताकि मक्का में वह सार्व□निक रूप स□ आमंत्रित नहीं कर सक□, ल□किन वह निराश नहीं था कि वह लोगों को खुल□ तौर पर आमंत्रित नहीं कर सका, वह भूमिगत निमंत्रण नहीं था एक-एक करक□ उसन□ उन्हें आकर्षित किया कि □ब व□ मदीना पहुंच□ तो उन्हें लोगों को विद्रोह क□ लिए आमंत्रित करन□ क□ लिए भ□ा गया। भगवान क□ लिए, इस्लाम क□ शुरुआती दिनों में इस्लाम की स□□ा की □ीत का रहस्य, हालांकि इसका कोई मतलब नहीं था युद्ध कहा □ा सकता है। यह ईश्वर का विद्रोह था। ईश्वर क□ लिए आंदोलन, ईश्वर में विश्वास न□ पवित्र पैगंबर की वि□य की। निराश न होकर, ईश्वर क□ मार्ग में बन□ रहन□ स□ पैगंबर को □ीत मिली।

पवित्र पैगंबर (PBUH) क□ साथियों क□ पास इस्लाम की शुरुआत में विश्वास की शक्ति थी और विश्वास की शक्ति क□ साथ आग□ बढ़□ ताकि बहुत कम आबादी क□ साथ और युद्ध क□ उपकरणों क□ बिना, उन्होंन□ उस दिन क□ दो महान साम्राज्यों को हरा दिया, रोमन दुनिया, ईरान। व□ चल□ गए और व□ चल□ गए और भगवान क□ लिए दृढ़ रह□ दिव्य आंदोलन विफल नहीं होता है। आप, ईरान क□ लोग, आप, ईरान क□ महान राष्ट्र न□ वही □र्थ प्राप्त किया □ो इस्लाम की शुरुआत में था। "सबस□ पहल□ वह फैज़ी स्कूल स□ उठ□ उन्होंन□ ध्वनि और फैज़ी स्कूल को नष्ट कर दिया। हमार□ कुछ युवा शहीद हुए, ल□किन दृढ़ता का कारण था कि व□ □सफल नहीं हुए, व□ आध्यात्मिक रूप स□ □सफल नहीं हुए।"

सहनशक्ति का फल

पवित्र कुरान आशीर्वाद और सहनशक्ति का लाभ का कुछ छंदों में Ast.qlmrv बोली ाती है, यह दोनों दुनिया का लाभों को शामिल करता है। संसार में, और परलोक में, और तुम्हारा लिए उस में, ो कुछ तुम्हारा प्राणों में है, और तुम्हारा लिए, िसमें तुम पुकारत हो, क्षमाशील आत्मा स उतरो। वास्तव में, िन्होंन कहा: हमारा भगवान भगवान है। "तब वडटरहऔर फ़रिश्तउन पर उतर (कहत हुए): डरो और शोक मत करो, और तुम्हें उस न्नत का शुभ समाचार मिल िसका लिए तुम्हें सदा वचन दिया गया था। हम इस दुनिया में और आख़िरत में आपका मददगार हैं, और ो कुछ आप चाहत हैं वह आपका लिए है, और िस आप कहत हैं वह आपका लिए है। (भगवान) का स्वागत बहुत क्षमाशील और दयालु है

ल्लामा तबताबाई निम्नलिखित छंदों में लिखती हैं: "और यह कविता और गली कविता विश्वासियों की च्छी स्थिति को व्यक्त करती है, ैस पिछल छंदों न काफिरों की बुरी स्थिति को व्यक्त किया।" ो ईमानवालों की बाट ोहत हैं, और उसका साथ फ़रिश्तउनको नमस्कार करन आत हैं। और वह है उनका हृदयों को दृढ़ करना, और उनका प्रोत्साहन और प्रतिष्ठा का सुसमाचार, सो स्वर्गदूत उन्हें भय और शोक स बचात हैं। और डर हमशा उस घिनौन काम का होता है िसका होन की संभावना होती है, और ईमानवालों का मामल में या तो उस यातना स डरत हैं िसस वडरत हैं, या फिर न्नत स वंचित होन स डरत हैं। और दु:ख और दु:ख हमशा उस घिनौन काम स होत हैं ो हुआ है, और ो बुराई पैदा हुई है, ैस कि पाप ो ईमानवालों पर पड़ और उसका प्रभाव पर शोक करत हैं, या व च्छ काम िनस व लापरवाही का कारण फिर स मर गए, और व शोक करत हैं उसकी मृत्यु पर, और स्वर्गदूतों न उन्हें सांत्वना दी कि व ऐस भय और शोक स सुरक्षित हैं, क्योंकि उनका पाप क्षमा कर दिए गए हैं, और उनका ऊपर स पीड़ा दूर हो गई है।

फिर व□वादा किए गए फिरदौस को यह कहत□हुए खुशखबरी सुनात□हैं: और तथ्य यह है कि उन्होंन□कहा "आप ही हैं □ो वादा करत□हैं" इंगित करता है कि स्वर्गदूत इस दुनिया क□ □ीवन क□ बाद इस खुशखबरी क□ साथ विश्वासियों पर उतर□क्योंकि उनक□ वाक्यांश का □र्थ है: आपक□ लिए स्वर्ग क□ लिए □च्छी खबर है कि हमश□ा आपस□वादा करता है। उन्होंन□कहा: "हमार□पिता इस दुनिया क□ □ीवन में और उसक□ बाद में हैं।" और इसलिए, कि आख़िरत में ईमान वालों स□ कहा □ाएगा: हम इस दुनिया क□ □ीवन में आपक□ संरक्षक थ□- हालाँकि, □ैसा कि हमन□कहा है, यह बातचीत इस दुनिया क□ □ीवन की समाप्ति क□ बाद की है - यह वास्तव में है वाक्यांश लान□ क□ लिए एक प्रस्तावना और आधार "और उसक□ बाद, यह इंगित करन□ क□ लिए कि परलोक में संरक्षकता इस दुनिया में संरक्षकता की एक शाखा और परिणाम है, तो कानह□ न□ कहा: हम इसक□ बाद आपक□ □भिभावक हैं □ैस□ हम इस दुनिया में थ□, या क्योंकि हम इस दुनिया में थ□और □ल्द ही हम मामलों क□ प्रभारी होंग□। आप वैस□ ही होंग□ □ैस□ हम इस दुनिया में थ□ और विश्वासियों क□ लिए स्वर्गदूतों क□ संरक्षक होन□ क□ नात□इस तथ्य का खंडन नहीं होता है कि भगवान भी उनक□ हैं □भिभावक, क्योंकि स्वर्गदूत दया और गरिमा क□ मध्यस्थ हैं, इसलिए नहीं कि उनक□ पास □पन□स्वयं क□ □धिकार हैं। और यह संभव है कि पवित्र छंद में उन्होंन□दश□दूतों की संरक्षकता का उल्लश□ किया, न कि भगवान की संरक्षकता का, भगवान क□ संतों और उनक□ दुश्मनों क□ बीच सामना करन□ और तुलना करन□ क□ लिए, क्योंकि उन्होंन□ □पन□ दुश्मनों क□ बार□ में कहा था: हमन□ बुर□ कर्म किए हैं "और उन समकालीनों क□ सामन□ चर्चा क□ तहत कविता में, वह □पन□स्वर्गदूतों क□ शब्दों स□ कहता है:" हम आपक□ संरक्षक हैं "।

और इस टकराव का परिणाम यह स्पष्ट करना है कि विश्वासियों क□ लिए स्वर्गदूतों की संरक्षकता का □र्थ विश्वासियों की पुष्टि है, क्योंकि स्वर्गदूत उन लोगों की पुष्टि करत□हैं □ो भगवान

क□ संरक्षक हैं, और स्वर्गदूत □ो लोगों क□ संरक्षक हैं , या □ो □भिभावक हैं। व□लोगों की इच्छाओं और समय और □न्य मामलों क□ □नुसार विश्वासियों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि आस्तिक और □विश्वासी उनक□ लिए समान हैं। " यह क□वल विज्ञान क□ नियमों क□ □नुसार था , यह इस तरह निकला। और यह शब्द प्रार्थना की दीक्षा क□ बार□में है, और इसका □र्थ है "प्रार्थना की तलाश", यानी आप प्रार्थना की तलाश करत□ हैं। नती□तन, दूसरा वाक्य, यानी वाक्यांश "और आप इसमें हैं, हम आपको बुलात□हैं", पहल□वाक्य की तुलना में व्यापक दायरा है, यानी वाक्यांश "आप इसमें हैं, हम इसमें हैं तुम □पन□हो" क्योंकि यह एक विश□ष वासना है।

और इसलिए, पवित्र आयत उन्हें च□तावनी द□ती है कि आख़िरत में उनक□ पास वह सब □च्छा और सुख होगा □िसकी कल्पना की □ा सकती है, और उनकी वासना क□ लिए यह हो सकता है कि उन्हें इसक□ लिए भूख लग□ चाह□ वह भो□न हो या पय□, या यौन सुख। , और क्या। बल्कि, व□ इसस□□धिक चौड़□ और ऊंच□ हैं, और वह यह है कि उनक□ पास □ितना व□ चाहत□ हैं उसस□ कहीं □धिक है, □ैसा कि उन्होंन□ कहा: "उनक□ लिए, हम उनमें द□खेंग□ और हमारी महिला बढ़□गी।"

यदि हम दृढ़ रहें, तो हम परम□श्वर की स्वीकृति की पुष्टि कर रह□ हैं

य□ दंग□ और दंग□ □ो इस्लाम क□ विरोधियों न□ इस्लाम की शुरुआत में शुरू किए थ□ व□ हम□शा पवित्र पैगंबर क□ समय में और बाद में हुए हैं, ल□किन भगवान न□ हमें सीध□ रहन□ दृढ़ रहन□ की आज्ञा दी है। और यदि हम दृढ़ रहें, तो हम ईश्वरीय □नुमोदन की पुष्टि करेंग□ और आप किसी भी चीज़ स□ नहीं डरेंग□ क्योंकि आपका समर्थन सर्वशक्तिमान ईश्वर है। कुछ □न्य हैं □ो शैतान द्वारा समर्थित हैं और शैतान क□ हाथ स□ चलत□ हैं। दैवीय शक्ति स□ चलन□ वाल□ आप शक्तिशाली हैं। छोटा होन□ में कोई बुराई नहीं है, दृढ़ विश्वास होना □रूरी है। और आप, भगवान का शुक्र है, और हमारी सारी स□ना और वाहिनी और □न्य □ंग □ो सामन□ हैं,

व□सभी चल□गए हैं, और चूंकि व□विश्वास द्वारा समर्थित हैं, उन्हें किसी भी चीज़ स□डरना नहीं चाहिए और व□डरत□नहीं हैं। और मुझ□उन कहानियों पर गर्व है □ो मैं सामन□स□और हमार□दोस्तों स□सुनता हूं, और व□प्रार्थनाएं □ो व□सर्वशक्तिमान ईश्वर क□ साथ सामन□और खाइयों में करत□हैं। आपको पता होना चाहिए कि इस्लाम क□ बाद स□कोई ऐसी सत्ता और वाहिनी नहीं रही, □िसका गढ़ उनका मंदिर हो और गढ़ों को मस्जिदों में तब्दील कर दिया गया हो। आपन□यह किया और आप इस□कर रह□हैं। और आप ईश्वर क□ सामन□महान हैं, और सर्वशक्तिमान ईश्वर आपको शक्ति प्रदान करत□हैं, और □ैस□पवित्र पैगंबर, एक छोटी संख्या क□ साथ, ल□किन ईश्वरीय □नुमोदन क□ साथ, □पन□लक्ष्यों को आग□बढ़ाया और उनक□ प्रभाव में दुनिया को प्रभावित किया, आप □ो उस सम्मान□नक □स्तित्व क□ □धीन हैं। आप हैं और □ब आप दाव□त□ हैं कि दुनिया आपक□ प्रभाव में है, □ब आप वि□यी हैं। आप दुनिया में, □ब □ब व्हाइट हाउस और क्र□मलिन में आपकी शक्ति का प्रतिबिंब शक्तिशाली है, तो सभी शक्तियां आपस□डरती हैं, आप किसी स□नहीं डरत□। सारी शक्तियाँ □ब इस्लाम की शक्ति स□ हिल गई हैं, और आपक□ कार्यों न□उन्हें हिला दिया है। तुम किसी शक्ति स□नहीं डरत□। □ब ईश्वर आपक□ साथ है तो सब कुछ आपक□ साथ है।

आपक□ पास ईश्वर है, भल□ही आपक□ पास पूर्व और पश्चिम का समर्थन न हो। और यह तुम्हारा सम्मान है, इस्लाम का सम्मान, न तो पूर्व की ओर और न ही पश्चिम में, एक सीधा रास्ता होना। मार्ग ईश्वर का मार्ग है। ईश्वर की राह में शहादत, क्षत-विक्षत या पीड़ा में कुछ भी गलत नहीं है। यह कुछ ऐसा रहा है कि □ब स□पहली बार सृष्टि हुई है, तब स□भगवान क□ संतों न□पूर□इतिहास में महान भविष्यवक्ताओं को प्रभावित किया है और व□डर□ नहीं और आग□बढ़ गए, और आ□ आप शक्तिशाली लोग हैं □िनक□ गीत दुनिया में □टिल हैं . □ब हर कोई तुमस□डरता है और तुम किसी स□नहीं डरत□। 123

मेरे आस्तिक का रोना सब कुछ जीत लेता है

उन्होंन□ सोचा कि □ब व□ ईरानी शहरों पर कुछ और बम गिराएंग□ ईरान गायब हो □ाएगा। उन्होंन□ ह□ारों बम गिराए, उन्होंन□ बमबारी की, उन्होंन□ सीमा क□ सभी इलाकों में बमबारी की, और उन्होंन□ हमार□ बड़□ शहरों पर बमबारी की। और कुद्स क□ दिन इतनी भीड़ और चीख-पुकार थी कि कुछ मुखबिरों क□ □नुसार तोपों की आवाज़ दूसर□ लोगों को नहीं सुनाई द□ती थी, बमों की आवाज़ दूसर□ लोगों को नहीं सुनाई द□ती थी, लोगों की चीख-पुकार मच □ाती थी। यह पुकार आस्तिक क□ हृदय स□ होती है, और आस्तिक क□ हृदय की यह पुकार हर ची□ पर वि□य पाती है, यह व्हाइट हाउस पर वि□य प्राप्त करती है; और यह प्रबल हो गया है और इस विश्वास की लहर पूर□ विश्व में चली गई है / यह लहर / चली गई है और दुनिया इन दमनों क□ बोझ क□ नीच□ स□ आ रही है □ो पूर□ इतिहास में इस पर दी गई है। गीत हर □गह है कि कोई □ुल्म न हो! राष्ट्रों का सक्षम हाथ महाशक्तियों को उनक□ स्थान पर रखता है। १२४

निकासी मुद्दा

मैदान मत छोड़ो

मैं लगभग पचहत्तर साल का हूं, इतनी कम□ोरी क□ साथ कि मैं इतना पर□शान और थका हुआ हूं कि यह आपक□ लिए नहीं है। ल□किन हम सभी एक ऐस□ क्ष□त्र में प्रव□श कर चुक□ हैं □हां एक कदम पीछ□ हटन□ पर हम □सफल हो □ाएंग□। ब□शक, ऐसा नहीं है कि कोई आपका और आपक□ □ैस□ □न्य लोगों का □पमान कर सकता है। यदि किसी समाचार पत्र या संसद में आपका □पमान किया □ाता है, तो आपको चौक नहीं छोड़ना चाहिए। कुछ प्रतिबद्ध लोगों को मैदान स□ बाहर निकालन□ क□ लिए उनका क्ष□त्र में म□बूत होना □रूरी है। नबी क□ लिए □ितनी मुसीबत थी, वह किसी क□ साथ नहीं हुई, ल□किन वह □ंत तक खड़ा रहा और □पना कर्तव्य निभाया, साथ ही साथ इमामों (□) क□ लिए भी, ल□किन व□ भी उठ खड़□ हुए। यह संयोग स□ नहीं था कि उन्हें कैद किया गया था,

उन्हें इस्लाम का□ खिलाफ विद्रोह करन□वालों का□ लिए खड़□होन□का□ लिए कैद किया गया था। हम, □ो, ईश्वर की इच्छा स□इस्लाम का□ लिए प्रतिबद्ध हैं और इस्लाम का विकास चाहत□हैं, हम दुनिया को बदलन□का□ लिए दृढ़ हैं और हमें उम्मीद है कि राष्ट्र इस□करेंगा□ हमें झूठ, बदनामी और भद्द□शब्दों की व□ह स□मैदान नहीं छोड़ना चाहिए। बश□ाक, संघर्ष स□हालात और बिगड़ेंग□आपका सारा समय □खबार और संसद को लिखन□और □वाब दन□में बीत □ाएगा, भाईचार□और नम्रता का□ स्वर का□ साथ चीं□ □च्छी तरह खत्म हो □ाएंगी। □गर कोई हमें चोट पहुँचाता है, तो हम उसका□ साथ सबस□□च्छा व्यवहार करेंग□हम लड़ाई में नहीं पड़ेंगा□

क्रांति में आपका बड़ा हिस्सा है और बा□ार भी। □गर बा□ार साथ नहीं चलता तो क्रांति नहीं □ीतती, इसलिए इन मुद्दों की तह तक खुद पर मलें। सुधारक और □ीवनदायिनी कदम उठान□वाल□ मनुष्य को यह □पक्षा नहीं करनी चाहिए कि सभी उस□स्वीकार कर लें, ऐसा नहीं होगा। वफादार का□ कमांडर को □पन□□ीवन का□ □ंत तक कुछ लोगों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था। यदि कोई व्यक्ति इस्लाम की सत्ता करना चाहता है, तो उस□यह □पक्षा नहीं करनी चाहिए कि हर कोई उस□स्वीकार कर ल□□ □ो कोई भी परमश्वर का□ लिए काम करना चाहता है उस□कारावास, निर्वासन, बदनामी और □न्य चीं□ों का बोझ उठाना चाहिए। यदि आपका □पमान किया □ाता है, तो आप भगवान का□ लिए स्वीकार करेंग□ और पुरस्कृत होंगा□ हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सभी न□ इतना बड़ा काम किया है, □ब हमें पूरब और पश्चिम स□ □श्लीलता नहीं सुनाई दत्ती या हमें □ंदर स□भ्रष्टाचार का सामना नहीं करना पड़ता?! 125

निकालना सबसे बड़ा पाप

संक्षप□ में, संसद और प्रतिनिधियों को समा□ की एकता और एकता की पुष्टि करनी चाहिए, और □म्मद्दार □भिभावकों को लोगों और लोगों और □म्मद्दार □भिभावकों का□ साथ मिलकर □पना कर्तव्य निभाना चाहिए, और उनका□ भौतिक और आध्यात्मिक

आशीर्वाद का आनंद लेना चाहिए। पवित्र एकता। और परदे मत छोड़ो, आप वापसी से बड़ा कोई पाप नहीं हो सकता, और क्रांति के दृश्य को छोड़ने का कोई बहाना स्वीकार नहीं किया जाता है। १२६

बैंक, नौकरी करने वाले हर इंसान को समस्याएँ होती हैं, और जो कोई भी काम पर कोई समस्या नहीं चाहता है, उसे मरे हुओं की तरह कब्रिस्तान जाना चाहिए या अलग-थलग पड़ जाना चाहिए। प्रतिबद्ध लोग जिम्मेदार हैं अगर उन्हें एक तरफ हटना है। जिन लोगों ने इस्लाम के संरक्षण से मुंह मोड़ लिया है, अगर सभी चले जाएं तो उन्हें वहीं रहना चाहिए। भगवान की इच्छा है, आप सभी सफल होंगे और पुष्टि करेंगे कि आप वही करेंगे जो आपने अब तक किया है। इस्लाम की रक्षा करना अब हम सबकी जिम्मेदारी है। १२७

वापसी इस्लाम के हितों के खिलाफ है

आप, राज्यपालों और जिला राज्यपालों, साथ ही सम्मानित लोग जिनके पूरे दुनिया में ये इस्लामी संगठन हैं, आप सभी का कर्तव्य है कि यह सुनिश्चित करें कि यह अच्छी तरह से किया जाता है, ऐसा न हो कि ऐसा कोई समय हो अब भगवान एक नहीं चाहते थे धोखाधड़ी, और भगवान न करे एक बुरे लोगों को खुद को बेवकूफों से बदलना चाहिए, जो कि इन अर्थों में से एक होगा। ये आपके कार्य हैं। नेता खुद चुनाव में भाग लेने के लिए बाध्य है, एक तरफ नहीं हटना है, यह एक कर्तव्य है, इस्लाम की रक्षा करना है, एक तरफ हटना कर्तव्य के खिलाफ है, यह इस्लाम के हितों के खिलाफ है। वह संत जो सोचता है कि वह एक तरफ बैठा है और इस्लामी मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता है, वह इस्लाम के खिलाफ काम कर रहा है, अगर भगवान नहीं चाहता कि वह ऐसा व्यक्ति बने। किसी व्यक्ति का अलग हट जाना इस्लाम के हितों के खिलाफ है क्योंकि, उदाहरण के लिए, वह किसी व्यक्ति या समूह द्वारा विकृत कुछ दिखाता है। ये अर्थ इस्लाम की शुरुआत में भी रहे हैं, हमारे इमामों के समय में भी। खैर, बस इतना ही, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी, वो तो अपना ही काम कर रहे थे। 128

-3धैर्य

नेता और राष्ट्र को विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना चाहिए।नेता और राष्ट्र क□ बीच सामान्य परिस्थितियों में स□एक धैर्य है। फराहदी न□ धैर्य को विरोधाभास माना है। इब्न मंज़ूर न□ भी फरहीदी की राय को स्वीकार किया। सैद्धांतिक रूप स□धैर्य का □र्थ है आत्मा को ईर्ष्या व्यक्त करन□स□रोकना।

कुरान क□ कोशकार राघब इस□मुश्किलों और मुश्किलों में धैर्य की बात मानत□हैं।आम शब्द □ानता है कि □लग-□लग मामलों में इसक□ □लग-□लग उदाहरण हैं। कुछ समकालीन वैज्ञानिकों क□ शोध क□ □नुसार, चिंता और चिंता स□धैर्य और आत्म-संयम को धैर्य और शांति कहा □ाता है। पवित्र कुरान दुश्मन क□ खिलाफ □ीत हासिल करन□क□ लिए धैर्य को एक सकारात्मक शर्त मानता है। यह पद बद्र की लड़ाई स□पहल□सामन□आया था। युद्ध क□ मैदान पर निर्णायक कारक विश्वास और धैर्य है, भौतिक शक्ति नहीं! यदि विश्वास क□ साथ धैर्य हो, तो समा□ में परिवर्तन और □ागृति का आधार प्रदान किया □ाता है।

एक □न्य आयत में, पवित्र कुरान इज़राइल क□ बच्चों की बात करता है □िन्होंन□ धैर्य और दृढ़ता क□ लिए फ़ारोनिक प्रणाली पर वि□य प्राप्त की, और पिछल□दास, □ो □मीर और भूमि क□ मालिक बन गए, न□□पन□भाग्य को □पन□हाथों में बदल दिया। "धन्य हैं तुम उसमें हो, और तुम्हार□ यहोवा □ल-हुसैन क□ वचन इस्राएल क□ बच्चों पर समाप्त हो सकत□हैं, इसलिए धैर्य रखें।" धैर्य की घटना न□ उम्माह में एक ऐसी सकारात्मक भावना पैदा की □िसन□फैरोनिक सभ्यता को नष्ट कर दिया और दुनिया को एक नई सभ्यता का परिचय दिया। शिया और सुन्नी टिप्पणीकारों क□ □नुसार, इ□रायल क□ बच्च□ धैर्य क□ कारण पूर्व और पश्चिम क□ मालिक बन गए। धैर्य सामा□िक □ीवन में सक्रिय भूमिका निभाता है, और समा□ क□ भाग्य पर इसका □बरदस्त प्रभाव पड़ता है। धैर्य और निश्चितता मनुष्य को नेतृत्व क□ स्तर तक ल□□ाती है। लोगों को □नुसरण करन□क□ लिए आधार प्रदान करता है और समुदाय क□ प्रबंधन को संभालता□ा। यह समा□ में सकारात्मक बदलाव का आधार भी बनाता है।

-4ईश्वरीय सफलता

समा□ में वांछनीय □ागृति पैदा करन□की शर्तों में स□एक है दैवीय सफलता। बहुत स□लोग इस सिद्धांत स□□वगत नहीं हैं। नता और राष्ट्र दैवीय सफलता क□ साथ समा□ में □ागृति पैदा करत□हैं। वैज्ञानिकों न□सफलता क□ विभिन्न □र्थों का उल्लख किया है, ि□नमें शामिल हैं:

ईश्वर की ओर स□सफलता, सफलता क□ □र्थ में, तरा□ू क□ व□न पर आधारित है। तदनुसार, दो वस्तुओं क□ बीच पत्राचार और भाग्य क□ साथ मनुष्य क□ एक साथ काम की सफलता (चाह□□च्छा हो या बुरा), लि□किन प्रथा में, क□वल □च्छी बातें ही कही □ाती हैं। कोशशास्त्रियों क□ □नुसार सफलता का □र्थ मामलों में साधन प्रदान करना है, और यह दो वस्तुओं क□ बीच समझौत□क□ कारण है। कुछ टिप्पणीकारों न□भी इस तरह क□ □र्थ व्यक्त किए हैं, ि□नमें शामिल हैं:

सफलता किसी भी प्रकार की कृपा है ि□सका पालन करन□ का □धिकार बाध्य व्यक्ति क□ पास है और यह ईश्वर क□ ज्ञान क□ □नुसार है। □र्थात साधन उपलब्ध कराना और मनोवांछित क□ लिए विघ्नों को दूर करना ही सफलता है। □ल्लामह क□ वचनों स□ स्पष्ट है कि वह ईश्वर द्वारा सुख साधन की व्यवस्था करन□में सफलता को मानता था।

कुछ लोगों न□पू□ा और आज्ञाकारिता क□ मामलों में विचार और कार्य क□ संदर्भ में मनुष्य क□ साथ सहमत होन□क□ लिए सफलता को माना है, □ो कि प्रारंभिक और साधन तैयार करक□ भगवान द्वारा प्रदान किया □ाता है। कुछ का मानना है कि □च्छाई हासिल करन□का साधन सफलता क□ लिए रा□ी होना है। कुछ लोग कहत□ हैं: दास की इच्छा को ईश्वर की इच्छा स□मिलाना ही सफलता है। आज्ञाकारिता की शक्ति सफलता पैदा करना और □च्छाई क□ मार्ग को सुगम बनाना है। व्याख्यात्मक विद्वानों न□ सफलता क□ एक हिस्स□को परिभाषित किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसका उल्लख शब्दों में या टिप्पणीकारों क□ भावों में नहीं किया गया था।

मैं इस□ □मृतवफीक करूंगा। इमाम सादिक (□.स.) की एक हदीस में □स्सी-आठ श्लोक में सूरह हुद न□ कहा, "हम □ल्लाह सर्वशक्तिमान □ल-एक्शन में मुझ□ सर्वशक्तिमान ईश्वर और □हरील□ □ल्ताह कान म□ दूर वफ्का लामर □ब□ □ल न□ इस□ एमवीएफका में द□ किया और स्वैच्छिक रूप स□ यदखल प्रति वस्तु पाप भगवान । फल न□ भगवान को ऊंचा किया और कई विरासत क□ लिए सबूत कान तल्क □लमसिह फतर्क·हा बत्वफ्यक □ल्लाह। " बुर□ व्यवहार को रोकना एक दैवीय सफलता है। प्रथा में, सफलता शब्द आमतौर पर □च्छ□ कर्मों क□ लिए लागू होता है, ल□किन इस हदीस क□ □नुसार, पाप और □पराध क□ त्याग को सफलता भी कहा □ाता है। यह उनकी शक्ति स□ पर□ है, ल□किन भगवान, उनकी कृपा स□ और क्षमता और क्षमता क□ संदर्भ में विश्वासी, उन शर्तों को प्रदान करत□ हैं और परिणामस्वरूप वह □च्छा काम आसानी स□ कर सकत□ हैं। साथ ही, मनुष्य □पन□ आप स□ कई बुराइयों को दूर करन□ में सक्षम नहीं है। क्योंकि इनमें स□ कई ची□ं उसस□ छिपी हुई हैं और भगवान □पनी विश□ द□खभाल स□ उस□ मुक्त करत□ हैं ऐस□ में फंसन□ पर सिद्धांत रूप में दोनों ही काम दैवीय सफलता क□ साथ होत□ हैं। दैवीय इच्छा और सहमति की आवश्यकता बाहरी और गूढ़ स्थितियों और कारणों स□ प्रदान की □ाती है। इसी तरह, राष्ट्र में न□ता द्वारा □ागृति पैदा करन□ क□ लिए भी भगवान की स्वीकृति की आवश्यकता होती है। यदि यह सफलता प्राप्त हो □ाती है, तो समा□ को पूर्ण पूर्णता की ओर बढ़न□ क□ लिए आधार बनाया □ाएगा। शोएब (pbuh) क□ शब्दों में, कुरान न□ ऐसी सफलता का श्र□ ईश्वर को दिया है। सफलता लोगों क□ मामलों को सुधारन□ और इनकार करन□ स□ मना करन□ की एक शर्त है, □स□ शोएब न□ प□श किया है। स□वक की इच्छा होन□ पर पुण्य कार्य में सफलता प्राप्त होती है। सफलता प्राप्त करन□ क□ लिए पक्ष की इच्छा महत्वपूर्ण है। पद्य में, पति-पत्नी क□ मामलों को ठीक करन□ क□ लिए न्यायाधीशों की इच्छा को एक शर्त माना □ाता है। शर्त पूरी किए बिना, स□ा प्राप्त नहीं होगी। सफलता प्राप्त करना है एक शर्त।

बी) इस्लामी जागरण में नेतृत्व की भूमिका

इमाम खुमैनी न□ □धिकारियों और इसमें शामिल लोगों को समा□ क□ महत्वपूर्ण और विभिन्न मुद्दों क□ बार□ में च□तावनी दी और समा□ क□ सभी प्रकार क□ पतन और उसकी प्रगति की च□तावनी दी। वह समा□ में प्रतिष्ठा क□ पतन क□ बार□ में बात करता है:

" सबस□ महत्वपूर्ण मुद्दों में स□ एक □िसका मुझ□ उल्ल□ख करना है, वह मुद्दा है □ो सभी पादरियों और द□श में शामिल लोगों स□ संबंधित है, और मुझ□ हम□शा चिंता होती है कि य□ लोग, □िन्होंन□ □पना सब कुछ बलिदान कर दिया और इस्लाम की स□वा की और हम पर भरोसा किया, उन्हें चिंता करन□ दें। हमार□ कार्यों क□ माध्यम स□ हमार□ बार□ में, क्योंकि लोगों न□ हमस□ क्या □प□क्षा की और क्या किया, और □िसक□ कारण उन्होंन□ हमारा और आपका □नुसरण किया, और इस्लाम को बढ़ावा दिया और इस्लामी गणराज्य की स्थापना की, और टैगहट को मिटा दिया, यह लोगों क□ □ीवन की गुणवत्ता है। विज्ञान। यदि परम□श्वर नहीं चाहता था कि लोग यह द□खें कि सज्जनों न□ □पनी स्थिति बदल दी है, एक हव□ली का निर्माण किया है और उनकी यात्रा पादरियों क□ लिए उपयुक्त नहीं है, और □ो उनक□ दिलों में पादरी वर्ग क□ प्रति था उस□ खोन□ क□ लिए, व□ इस□ खो द□ंग□। इस्लाम और इस्लामी गणतंत्र एक ही है। ब□शक, मैं यह कहना चाहूंगा कि एक समूह □ो □ोखिम में है, उस□ □पनी रक्षा करनी चाहिए, ल□किन उन्हें यह भी सावधान रहना चाहिए कि व□ इस□ ज़्यादा न करें। ऐसा मत सोचो कि □गर आप कई कारों क□ साथ बाहर □ात□ हैं, तो लोगों क□ सामन□ आपकी छवि बढ़□गी। लोग □िस बात पर ध्यान द□त□ हैं और सामान्य रुचि स□ सहमत होत□ हैं, वह यह है कि आपका □ीवन सरल होना चाहिए, □ैस□ इस्लाम क□ न□ता और इस्लाम क□ पैगंबर और वफादार और हमार□ इमामों क□ कमांडर एक साधारण और सामान्य □ीवन □ीत□ थ□, ल□किन यह कम था सामान्य स□ □धिक। इस्लामी गणतंत्र की स्थापना करन□ वाल□ सामान्य लोग हैं, और □ो शीर्ष पर बैठत□ हैं, उनका इन मुद्दों स□ कोई ल□ना-द□ना नहीं है। य□

लोग बा□ार हैं और किसान और कारखानों क□ म□दूर और कम□ोर वर्ग - इस दुनिया क□ □नुसार और परलोक क□ □नुसार म□बूत - □ो उम्मीद करत□हैं कि □गर भगवान नहीं चाहत□कि इन लोगों क□ लोग हमस□ विचलित हों, नुकसान न क□वल हमार□ लिए है, बल्कि इस्लाम क□ लिए है। और हमें उन लोगों को संरक्षित करना चाहिए □िन्होंन□इस्लाम और इस्लामी गणराज्य को संरक्षित किया है, और ऐसा करना □ारी रखेंग□और इस□संरक्षित करना हमार□□ीवन क□ सामान्य होन□क□ लिए है।

□ो लोग □पनी रक्षा करना चाहत□हैं उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि कभी-कभी प□कन कार स□उन्हें □न्य तरीकों स□ब□तर तरीक□ स□संरक्षित किया □ा सकता है। और शुक्रवार क□ इमाम और मण्डली, □ो सामान्य रूप स□बाहर आन□पर नष्ट हो सकत□हैं, उन्हें इस□इस हद तक रखना चाहिए कि यह बहुत □धिक न हो, और ऐसा नहीं होना चाहिए कि □ब शुक्रवार का इमाम सड़क पर आता है, तो व□छोड़ द□त□हैं □क□ल□सड़क पर और हंगामा करत□ हैं।एक तरह स□ची□ें समा□ में उनकी स्थिति को □मान्य कर द□ती हैं। आपकी महानता, सज्जनों, इस दुनिया में नहीं है, आपकी महानता परलोक में है, और भगवान क□ सामन□सम्माननीय होन□में है, और यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है □ो इस्लामी गणराज्य को संरक्षित करन□ में शामिल है, और हमें बहुत सावधान रहना चाहिए, और विद्वान और सरकार और इसमें शामिल लोगों को □धिक सावधान रहना चाहिए। व□हैं, क्योंकि हर कोई एक कम□ोरी □ूं□ रहा है, खासकर विद्वानों स□और इस□हर □गह उठाना है। "और हमें इस तरह स□ □ीना है कि हमें इसका पछतावा न हो □गर यह हमस□ल□लिया □ाए, न कि संयुक्त राज्य क□ राष्ट्रपति की तरह, □ो □गर उनस□ छीन लिया □ाए, तो उनक□ लिए ख□द महसूस हो सकता है"!

इमाम खुमैनी न□□पमान करन□स□मना किया और हवा और कामुक इच्छाओं स□बचन□की सलाह दी: व□आपकी आत्मा को प्रभावित नहीं करत□हैं और आपको मैदान स□बाहर नहीं निकालत□ हैं। सरलता स□□ीन□की आदत डालें और धन और पद क□ दिल

स□बचें। □न महापुरुषों न□□पन□राष्ट्रों की महान सत्ता की है, व□ ज्यादातर एक साधारण □ीवन □ीत□हैं और दुनिया में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। □ो नीच शारीरिक और पशु वायु क□ बंदी हैं और हैं, इस□बनाए रखन□या प्राप्त करन□क□ लिए, बुरी ताकतों और शक्तियों क□ सामन□किसी भी □पमान और □पमान क□ □धीन हैं, और कम□ोर □नता क□ प्रति दमनकारी और दमनकारी हैं, लि□किन पवित्र उनक□ खिलाफ हैं। , क्योंकि कुलीन और उपभोक्तावादी □ीवन मानव-इस्लामी मूल्यों को संरक्षित नहीं कर सकता है। ईरान क□ युवा और तगुत क□ समय तगुत में प्रशिक्षित पुरुष और महिलाएँ कभी भी तगुत की शक्ति का विरोध नहीं कर सकत□थ□लि□किन □ब व□क्रांतिकारी आदमी क□ □धिकार की शक्ति स□बुर□हितों स□ दूर हो गए, तो उन्होंन□उस□दबा दिया। बहुत □धिक शक्ति। पूर्व शासन में भ्रष्टाचार क□ केंद्र में प्यार□युवाओं को घसीटन□वाल□और आ□ाद लोगों स□कठपुतलियों को मुंडान□वाल□□पराधी हाथ, उनका मकसद और यो□ना थी कि दस्ता में होन□वाला हर विश्वासघात और दस्ता और उसक□ मूल्यवान भंडार क□ लिए सब कुछ। आओ और □ैस□□ैस□लोगों क□ हाथ-पैरों में उपनिवेशवाद की □ं□ीरें म□बूत होती □ाएँ, उनक□ प्रति उदासीन हो □ाएँ या उसी प्रथा का समर्थन करें। आ□ भी मोर्चों पर और मोर्चों क□ पीछ□सक्रिय वर्ग □ीवन क□ वही वंचित वंचित वर्ग हैं, और उनमें आपको दुनिया क□ हितों स□ □ुड़□लोगों का कोई निशान नहीं दिखता है। ईश्वर हम सभी को इन बुरी बेड़ियों स□मुक्त करें ताकि हम इस दिव्य भरोस□ को □पनी मं□िल तक पहुंचा सकें और भरोसेमंद मालिक ह□रत महदी (pbuh) को □स्वीकार कर सकें।

इमाम राहील (भगवान उन्हें आशीर्वाद द□ और उन्हें शांति प्रदान करें) न□ भी कामों की व्यर्थता क□ खिलाफ पादरी को चेतावनी दी, चेतावनी: "एक और मुद्दा पादरी क□ □नुष्ठानों का मुद्दा है, □ो बढ़ रहा है। □ब औपचारिकताएं बढ़ □ाती हैं, तो सामग्री हटा दी □ाती है। □ब इमारतों, मशीनों, पूंछों और उपकरणों की संख्या बढ़ □ाती है, तो यह इस्लाम की न्यायशास्त्रीय ताकत को

नुकसान पहुंचाता है, यानी शारीरिक मुर्ति□ा और गहना का□ मालिक को इन उपकरणों का□ साथ समा□ को नहीं सौंपा □ा सकता है। यह चिंता□नक है और मैं वास्तव में नहीं □ानता कि इसका□ साथ क्या करना है। इन □नुष्ठानों का□ कारण पादरी विफल हो □ात□हैं। □ब हम □ौहरी का□ □ीवन की तुलना आ□ का□ पादरियों का□ □ीवन स□ करत□हैं, तो हम □च्छी तरह स□समझत□हैं कि हम □पन□आप पर कितना बड़ा आघात कर रह□हैं। पश्चिम में कोई खबर नहीं है, डरो मत - □ब भी आप स्वयं - स्वतंत्र होन□और इस्लामी प्रस्तुत करन□का□ लिए और इस्लामी प्र□ा, इस्लामी सभाओं में तघुत की सभाएं नहीं होतीं, ऐसी पार्टियां न करें, यदि दल सरल हो, □ब सरल हो। रा□नीतिक पहलू।"

इमाम खुमैनी न□लोगों का□ लिए दो मुख्य कार्यों की सिफारिश की और दो विश्वसनीय समर्थन पारित किए और सभी लोगों को आवश्यक चेतावनी दी: "हमें खुद को खोया हुआ और आत्मविश्वास रखना चाहिए।

मुख्य बात यह है कि आप दो दिशाओं पर विचार करत□हैं □ो मैंन□बार-बार कहा है, एक है सर्वशक्तिमान ईश्वर पर भरोसा, □ो आपकी मदद करता है □ब आप उसका□ लिए काम करना चाहत□ हैं, आपका□ लिए रास्ता खोलता है, □स भी क्षेत्र में आप का□ तरीकों स□प्रेरित होत□हैं मार्गदर्शन और एक है आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास। आप स्वयं युवा हैं □ो सब कुछ कर सकत□हैं। हमार□आविष्कारक उच्च स्तर पर आविष्कार कर सकत□हैं, हमार□ आविष्कारक उच्च स्तर पर नवाचार कर सकत□हैं □ब तक उनमें आत्मविश्वास है और विश्वास है कि (हम कर सकत□हैं)। पहल□का□ शासन में हम इस□सभी वर्गों में नहीं फैला सकत□थ□उन्होंन□सभी स□कहा कि हम (नहीं कर सकत□) और सक्षम लोग आकर हमें पढ़ाएं। आ□ □ब उन सभी का हाथ छूट गया है, भगवान का शुक्र है, और इस दृष्टि में उनका□ लिए कोई □गह नहीं बची है, आप दृष्टि का□ युवा हैं, आप □हां भी हैं, □पन□दृष्टि का□ भविष्य का□ बार□में सोचें, □पन□बनें □पना दृष्टि। और इन दो गुणों का□ साथ आग□बढ़ना आवश्यक है,

सर्वशक्तिमान ईश्वर पर भरोसा, आत्मविश्वास, इन दो गुणों क□ साथ, और थोड़□ समय क□ बाद आप द□खेंग□ कि आपक□ लिए खुशी क□ रास्त□ खुलत□ हैं और महान शक्तियां उनक□ लालच को काट द□ती हैं। संक्ष□प में, हमें यह समझना चाहिए कि हम सब कुछ हैं और हम किसी स□ कम नहीं हैं। हम □न्होंन□ स्वयं को खो दिया है, उन्हें इस खोए हुए स्व को खो□ना होगा और □पनी पूरी शक्ति स□ उस विचार को समाप्त करना होगा □ो हम पर थोपा गया था कि (यदि बाहरी हाथ काट दिया गया तो हम मर □ाएंग□)। और आपन□ द□खा कि एक राष्ट्र महाशक्तियों और शक्तियों क□ खिलाफ खाली हाथ खड़ा था, और इस आंदोलन न□ एक लहर उठाई, □ो भगवान की इच्छा है, □ल्द ही कभी नहीं रुक□गी।

मुझ□ उम्मीद है कि सभी सज्जन हमारी संस्कृति और हमारी इस्लामी संस्कृति, शा□ □ल-राय द्वारा बनाई गई संस्कृति को बहाल करन□ में हमारी मदद करेंग□। मैं दोहराता हूं, हमें विश्वास करना चाहिए कि हम कुछ हैं। □गर हमें विश्वास है कि हम कुछ भी कर सकत□ हैं, तो हम कर सकत□ हैं। आप यह भी मानत□ हैं कि आप कर सकत□ हैं। म□ों को धोकर उनकी □गह स्वावलंबी म□ों को लगाना चाहिए। "भगवान आप सभी की रक्षा करें।"

इमाम खुमैनी इस्लामी द□शों पर विद□शी प्रभुत्व का मुख्य रहस्य आत्मा की कम□ोरी मानत□ हैं, और इस संबंध में, वह विचारों क□ □ागरण और □ज्ञानता और लापरवाही क□ □ागरण को प्राथमिकता द□त□ हैं, और समा□ को आवश्यक च□तावनी द□त□ हैं: "हमारी आत्मा विद□शी प्रभुत्व का कारण बनता है।

द□श इंसाफ चाहता है, बड़ा कमरा नहीं चाहता। राष्ट्र को एक मंत्रालय चाहिए, एक इस्लामी मंत्रालय, वह मंत्रालय नहीं, न्याय का महल, प्रधान मंत्री का महल, मंत्रालय का महल, ह□ महल। महल राष्ट्र का है, ऐसा मत करो। कई या कुछ व□नाओं क□ □लावा इन महलों में □ब □ो स□ावट है, और सरकार को इस पर ध्यान द□ना चाहिए, □ो सरकार कहती है कि वह इस्लामिक सरकार है और है उस□ प्रभावित नहीं होना चाहिए और यह वैसा ही है □ैसा कि

पहल□ □ैसा □ब मोहम्मद र□ा शाह खान क□ ज़मान□ में था, □ब वही रूप है। तो क्या हो तुम? □ब आप कहत□ हैं कि मैं मुसलमान हूं तो आप क्या कहत□ हैं? हमें एक-एक करक□ क्या कहना चाहिए? बी□ बी□ क्या हमें गिनना चाहिए? इन्हें ठीक किया □ाना चाहिए और आप □ानत□ हैं कि आप मुसलमान हैं, मैं इन सभी लोगों को □ानता हूं, उनमें स□ कुछ, उनमें स□ कुछ को मुझस□ मिलवाया गया है, य□ सभी प्रतिबद्ध हैं, सभी मुसलमान हैं ल□किन कम□ोर दिमाग वाल□ हैं। उन्हें डर है कि एक दिन विद□श स□ कोई □तिथि न्याय क□ महल या प्रधान मंत्री क□ महल में आकर द□ख□गा कि यह □पमान□नक बात है, यह पश्चिम क□ रूप में होना चाहिए। कम□ोर साहब, आप बलवानों क□ बोझ तल□ कम□ोर हैं। □ब आपकी आत्मा म□बूत हो □ाएगी और आप उस पर ध्यान नहीं द□ंग□ तो आपको □वाबद□ह ठहराया □ाएगा। इस्लाम क□ आरंभ का □ध्ययन करें और द□ख□ें कि स्थिति कैसी थी, □िन्होंन□ द□शों को □ीत लिया, □िन्होंन□ दुनिया को □ीत लिया, □िन्होंन□ दुनिया पर □पनी शक्ति दिखाई, उनका □ीवन कैसा था? □ब उन्होंन□ दारुल सल्तनत में स□ एक में र□शम का कालीन बिछाया था, तो इस्लाम क□ य□ युवक वहाँ आए और कहा (हालाँकि उसन□ र□शम क□ कालीन को मना नहीं किया था, ल□किन क्योंकि व□ कहत□ हैं कि र□शम की पोशाक इस तरह स□ मना है, हम करत□ हैं र□शमी कालीन पर न बैठें) तलवार का सिरा ल□कर सुल्तान की उपस्थिति में उन्हें एक तरफ रख कर □मीन पर बैठ गया। व□ इंसान थ□ व□ म□बूत थ□ □ो सबस□ ऊपर था वो □िंदगी में सबस□ नीच□ था, शायद यम में, शायद सरहदों में, कोई है □ो भूखा है, एक शख्स है □ो ठीक स□ □िंदगी नहीं □ी सकता, तो मैं यहां हूं, य□ है म□रा □ीवन, □र्थात्, एक रोटी का टुकड़ा □िसमें थोड़ा सा नमक है। "यह हमारी सरकार थी, और निश्चित रूप स□ हमार□ पास शक्ति नहीं है, ल□किन उन्होंन□ खुद कहा कि आपक□ पास शक्ति नहीं है, ल□किन आप पवित्रता और इज्तिहाद क□ लिए पवित्रता और पवित्रता क□ साथ प्रतिबद्ध हैं ... और इज्तिहाद, वफादार क□ कमांडर का समर्थन करें, उस□ शान्ति मिल□।'

इमाम, एक ऋषि की तरह, उम्मा को भौतिक और □धर्मी शक्तियों स□

मुक्ति का एक संस्करण द□ता है, और बहुत □ोर स□स्थायित्व क□रहस्य को इस तरह क□उपचार आद□ों का □भ्यास मानता है: म□□ मतलब आपक□ कानों स□□र्थ प्राप्त करना है। आप कर सकत□हैं, आप कर सकत□हैं, क्योंकि आपका समर्थक भगवान है। महाशक्तियों द्वारा की गई फुसफुसाहट कि व□ तब तक □ीवित नहीं रह सकत□□ब तक आप दो शक्तियों में स□किसी एक पर भरोसा नहीं करत□हैं, एक सौ प्रतिशत झूठी हैं। "□पन□पैरों पर खड़□हो □ाओ और भगवान क□साथ म□बूत बनो और मानवता में किसी भी प्रगति स□ पहल□प्रगति करन□की कोशिश करो, तो भगवान हमारी स्वतंत्रता, स्वतंत्रता और इस्लाम को बनाए रखन□में सक्षम होन□में हमारी मदद करेंग□।"

इमाम खुमैनी समा□ में □सफलता का एक और कारक इच्छाशक्ति की कम□ोरी और ची□ों को तय करन□में हिचकिचाहट मानत□ हैं।इस संबंध में व□कहत□हैं: लो। आप कहत□हैं कि हमन□कुछ नहीं किया है, □ैस□ही आप □च्छा करन□की कोशिश करत□हैं, यह सबस□बड़ी बात है। पहला व्यक्ति □ो एक गंतव्य, एक बड़ी मं□िल शुरू करना चाहता है, उसक□लिए निर्णय ल□ना शायद सबस□कठिन ची□ों में स□एक है □िसस□एक व्यक्ति पीड़ित होता है। एक बहुत बड़ा काम □ो एक राष्ट्र का मार्गदर्शन है और □धिकांश मार्गदर्शन आध□राष्ट्र का है □ो महिलाएं हैं, इस नौकरी में कई समस्याएं हैं और इस□करन□का निर्णय स्वयं एक महत्वपूर्ण कार्य है □ो आपन□निर्णय लिया है और उसक□बाद निर्णय में कोई संकोच नहीं करता और आलसी मत बनो, क्योंकि यदि कोई व्यक्ति कुछ करन□की ठान ल□ता है ल□किन इस बात स□हिचकिचाता है कि क्या वह □ितना चाह□और □ितना चाह□कर सकता है, इस झिझक क□साथ यह निर्णय काम को सही नहीं कर सकता है। आपको □न्य लोगों क□प्रति □ो सहायता प्रदान करत□हैं, उसमें आपको □धिक भ□भावपूर्ण होना होगा। आपन□द□खा है कि इस द□श में इन दो वर्षों क□दौरान □ो महान कार्य हुए हैं और □ो महान परिवर्तन सदियों क□ दमन क□बाद हुए हैं, ऐस□समय में □ब यह इतना महान था और शायद इनमें स□कई विचारकों और बुद्धि□ीवियों की संभावना है। ऐसा नहीं किया गया, उन्होंन□इसकी □नुमति नहीं दी। हालाँकि, क्योंकि राष्ट्र न□निर्णय लिया और □पन□निर्णय में दृढ़ था, यह हिलता नहीं था। □ीत की ओर ल□□ाएगा।

उम्मा क□इमाम (भगवान उस□आशीर्वाद द□और उस□शांति प्रदान

करें) न□धन क□लिए कुछ लोगों क□हस्तक्ष□ को □ विश्वसनीय माना और कहा: घमंड और घमंड क□बहान□और गरीबों और □रूरतमंदों पर □पन□विचारों और इच्छाओं को थोपना और म□नतकश, यह उनक□मामलों में लोगों क□ सहयोग और हस्तक्ष□ और क्रीमियन नैतिकता और उत्कृष्ट मूल्यों क□प्रति उनक□झुकाव और चापलूसी स□बचन□का सबस□बड़ा कारक है। "यह कुछ □मीर लोगों को यह भी नहीं सोचन□की च□तावनी द□ता है कि उनक□धन और संभावनाएं परम□श्वर क□सामन□उनकी प्रतिष्ठा का कारण हैं।"

इमाम खुमैनी समस्याओं को सुगम बनान□और दूर करन□वाल□कारकों को समा□ क□लोगों की समस्याओं का धीर□ और महान प्रयास मानत□हैं और इस तरह उन्हें युवाओं स□बहुत उम्मीदें हैं और सही रास्त□की कठिनाइयों और समस्याओं की याद दिलात□हैं: और फिर व□करत□हैं। आप □ो भगवान की खुशी क□लिए स□ा करत□हैं, सभी कठिनाइयों क□खिलाफ खड़□होन□और लड़न□का प्रयास करें। आ□ भी, □ब इस्लामी गणतंत्र में सब एक साथ हैं और सरकार और लोग दोस्त हैं, तो समस्याओं को हल करना आसान है। समस्याओं का गर्म□ोशी स□सामना करें और समाधान क□लिए संघर्ष करें।

□पनी म□बूत आत्मा, युवा लोगों, और भगवान क□ ध्यान स□ आपन□ इस महान समस्या को उखाड़ फेंका और समाप्त कर दिया, □ो कि यह भ्रष्ट शासन था, इस भावना को बनाए रखें, इस म□बूत भावना को बनाए रखें, भगवान आपक□ साथ है। □ब भगवान किसी क□ साथ होत□ हैं तो ची□ें ब□तर हो □ाती हैं। ब□शक हर क्रांति क□ पीछ□ कई समस्याएं होती हैं, ल□किन इस क्रांति में विश्वास रखन□वालों को इस आंदोलन में, इस म□बूत भावना क□ साथ, उस म□बूत भावना और उस दृढ़ विश्वास क□ साथ और □पन□ धन्य ईश्वर सर्वशक्तिमान क□ प्रति विश्वास है, □ब तक यह आत्मा संरक्षित है, आप आग□बढ़ेंग□

□ब कभी धीमी है, कभी त□ है, पकड़ी है, सही रास्ता है, सही रास्ता है, हर सही रास्त□में समस्या है, शैतान सही रास्त□पर बैठ□ हैं लोगों को भटकान□क□ लिए, यह □ब नहीं है पैगम्बर का समय वही था, पैगम्बर की समस्याएँ समस्याएँ महा □धिक रही हैं,

आस्तिकों क□ स□ापति की समस्याएँ, शांति उस पर हो, हमारी समस्याओं स□ □धिक रही है, उनकी पर□ानियाँ हमारी पर□ानियों स□ □धिक रही हैं, उन्होंन□ द□ा □पन□ दोस्तों का विरोध, य□ □मात □ो सफीन में हज़रत □मीर क□ सामन□ उठ खड़ी हुई और हज़रत पर तलवारें तान दी, य□ हज़रत क□ दोस्त थ□ व□ हज़रत क□ सच्च□ थ□ इमाम का ग़म शायद औरों स□ ज़्यादा था। इमाम हसन, शांति उस पर हो, इन दोस्तों और साथियों स□ उतना पीड़ित नहीं हुआ □ितना दूसरों स□ □िन साथियों न□ इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि उनक□ समय का इमाम किस पर काम कर रहा था, □पनी छोटी-छोटी कल्पनाओं और □पन□ लुट□ हुए विचारों क□ साथ उनक□ सामन□ खड़□ हो गए, उन्हें लूट लिया, उन्हें पर□ान किया, और मैं कहता हूं कि उन्होंन□ उन्हें हरा दिया, उनक□ साथ एक संधि की। उसक□ दुश्मन और एक ह□ार तरह क□ औ□ार बनाए। यह मत सोचो कि य□ समस्याएँ तुम्हार□ और म□□ लिए हैं, □ितनी □धिक समस्याएँ, उतना □धिक प्रतिफल, उतना ही बड़ा द□त्व।

यदि कोई व्यक्ति बहुत बड़ा होन□ पर इस्लाम की ओर मुड़ता है, □बकि वह बहुत मज़ा और मनोरं□न कर रहा है, कि यह कुछ भी नहीं है, ठीक है, □ब परिणाम प्राप्त करन□ का समय होता है तो हर कोई मौ□ूद होता है। □िस दिन इस्लाम को ठ□स पहुंच□ □िस दिन पीड़ित और पीड़ित हो, □िस दिन खून हो, □िस दिन पीड़ित हो, □िस दिन भाल□ का सामना हो, वह दिन □ो तोप और टैंक का सामना कर□ वह दिन वह दिन है □ब एक आदमी की पहचान की □ाती है गैर-आदमी स□ गैर-मुस्लिम स□ मुसलमान। "वह दिन वह दिन है □ो इनाम का दिन है, □िस दिन भगवान न□ इस राष्ट्र पर ध्यान दिया।"

मानवीय मूल्यों की रक्षा करना मुश्किल

इमाम खुमैनी की तरह, क्रांति क□ सर्वोच्च न□ा □ंतरराष्ट्रीय और इस्लामी मुद्दों में मानव समा□ को □ागृति प्रदान करत□ हैं और कुएं स□ बाहर निकलन□ का रास्ता पहचानत□ हैं। व□ उन लोगों क□ साथ काम करना चाहत□ हैं। उन्हें ऐसा करन□ में सक्षम क्यों

होना चाहिए? मुस्लिम राष्ट्रों को दुनिया भर में एक भी आंदोलन क्यों नहीं शुरू करना चाहिए? उन्हें संयुक्त राज्य □मरिका क□ साथ बहस क्यों नहीं करनी चाहिए और □मरिकी सरकार द्वारा उनकी आवा□ सुनी □ानी चाहिए? संयुक्त राज्य □मरिका और उसक□ सहयोगियों और सहयोगियों की इच्छा क□ बाव□ूद फिलिस्तीनी लोगों का □िहाद □ारी रह□ा।

□धिकृत क्ष□त्रों क□ □ंदर □मरिकी सा□िश का सबस□ महत्वपूर्ण इला□ फिलिस्तीनी उग्रवादियों क□ म□बूत हाथों में है। इस्लामी दुनिया को फिलिस्तीन क□ मुद्द□ की उप□क्षा नहीं करनी चाहिए और राष्ट्रों को फिलिस्तीन क□ मुद्द□ को नहीं भूलना चाहिए। □मरिका और □हंकार और थोपना; आपको नहीं छोड़ना चाहिए, इस्लाम राष्ट्र को नहीं छोड़ना चाहिए, ईरान राष्ट्र को नहीं छोड़ना चाहिए। शत्रु की खाली शक्ति क□ संघर्ष में धीर□ स□ आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। व□ मुस्लिम भावना की विभा□न और कम□ोरी का फायदा उठात□ हैं और सीध□-साद□ लोगों की न□र में □पन□ लिए एक झूठी ताकत दिखात□ हैं। □हंकार उन सभी दृश्यों में □पन□ इरादों में विफल या विफल रहा है □िनमें मुसलमान वास्तव में □पन□ उत्पीड़न क□ लिए खड़□ हुए हैं।

इस्लामिक ईरान का दृष्टिकोण, □ो पिछल□ 16 वर्षों में संयुक्त राज्य □मरिका और उसक□ सहयोगियों क□ बीच भारी और पौराणिक शत्रुता क□ सामन□ वि□यी हुआ है और आ□ □धिक शक्तिशाली, □धिक सफल, □धिक हर्षित और □धिक आशावादी है, यह साबित करता है। दावा।

यदि आप मुस्लिम युद्धरत राष्ट्र □ीतना चाहत□ हैं, तो आपको □मरिका स□ नहीं डरना चाहिए; उनकी □ब में कुछ नहीं है। उनक□ पास तोपें और राइफलें और सैन्य शक्ति और आग है; ल□किन य□ औज़ार सिर्फ़ मज़दूरों की □धीरता और मज़दूरों क□ प्रतिरोध क□ लिए हैं। तोप, राइफल और इस तरह क□ दबाव उन मनुष्यों क□ खिलाफ काम नहीं करत□ □ो धैर्यवान हैं और काम नहीं करत□ हैं। "ब□शक, यह उन लोगों को प्रभावित करता है □ो दुनिया स□ □ुड़□ हुए हैं।"

मॉडलिंग □ीत का□ लिए सबस□महत्वपूर्ण कारकों में स□एक है। एक मॉडल का□ बिना एक मॉडल गिर □ाता है, लि□किन एक योग्य मॉडल वाला समा□ विकास की ओर बढ़ रहा है। क्रांति का□ नेता ईरानी लोगों को □न्य दे□ों का□ लिए आदर्श मानत□हैं:

" हमन□ खुद को शक्ति की भावना का□ साथ पहचाना है, भगवान पर भरोसा किया है और राष्ट्र की इच्छा पर भरोसा किया है। आ□ हम दे□ा का□ निर्माण और बढ़त□विकास की यो□ना बना रह□हैं। आ□, हम ईश्वर द्वारा और इस महान राष्ट्र की इच्छा स□ सशक्त महसूस करत□हैं। महान शक्तियाँ ईरानी राष्ट्र का□ लिए कैस□ बोल सकती हैं?

दशकों स□पक्षपातपूर्ण भ्रम और □ातीय उत्पीड़न का□ पिं□र□ में बंद दे□ों में, राष्ट्र - विशे□ रूप स□मुस्लिम राष्ट्रों का□ साथ-साथ कई □न्य दे□ों का□ उत्पीड़ित राष्ट्र - एक पहचान और एक व्यक्तित्व को महसूस करत□हैं और बोलत□हैं और □पन□□धिकारों की मांग करत□हैं। ईरानी राष्ट्र का□ धीर□ का। □िस दिन स□हमन□शुरुआत की थी, उस दिन स□ले□कर उस दिन तक दस साल या उसस□ □धिक समय हो गया है □ब दुनिया का□ दे□ों न□हमार□ पैटर्न को दोहराया। "दुनिया में □ो दे□ा □ा सकता है वह ईरानी राष्ट्र का□ प्रतिरोध का मॉडल है।"

एक योग्य नेता एक समा□ की पूर्णता की ओर □ग्रणी भूमिका है। यदि एक समुदाय का□ नेता का□ पास आवश्यक शर्तें नहीं हैं, तो ऐसा समा□ आरोही का□ ब□ाय गिर □ाएगा। पवित्र कुरान दोनों नेतृत्व भूमिकाओं का उल्ले□ करता है। सकारात्मक नेता हमे□ा राष्ट्र को बचात□हैं। इसलिए, कुरान योग्य नेताओं का□ उदाहरण का□ रूप में उद्धृत करता है, □ैस□नूह, हुड, सालह, शोएब, मूसा और हारून (pbuh) □िन्होंन□पवित्र राष्ट्रों को बचाया। राष्ट्रों का□ ले□न में नकारात्मक नेताओं की भूमिका का□ बार□ में, कविता यह कहा गया है कि न्याय का□ दिन राष्ट्र झूठ□ नेताओं का□ बार□ में शिकायत करेंग□ □िन्होंन□□पन□दे□ा की खातिर □पनी दुनिया को दुखी कर दिया है। आ□, राष्ट्रों का भाग्य सबस□ भ्रष्ट लोगों का□ हाथों में है। उस

समय क□ फिरौन राष्ट्रों क□ उत्पीड़न क□ लिए □ो कुछ भी उपयोगी समझत□ हैं, करत□ हैं। समय सभी राष्ट्रों को नष्ट कर द□ता है, युवा और बूढ़□ पुरुष और महिला। यह □ंदर है इस संदर्भ में कि मूसा की भूमिका □धिक स्पष्ट हो □ाती है। राष्ट्रों क□ सिर स□ फिरौन क□ हाथ क□वल मूसा ही काट सकत□ हैं। यह युग □ागृति का युग है। दुनिया प्रदान नहीं की □ाती है। क्या किया □ाना चाहिए? ऐसी स्थिति में न□तृत्व की आवश्यकता है। ए न□ता □ो कम स□ कम समय में राष्ट्र क□ शरीर में □ागृति की भावना की सांस ल□त□ हैं। ब□शक, पवित्र कुरान कुछ दैवीय न□ताओं की बात करता है □िन्होंन□ सकारात्मक बदलाव लान□ क□ लिए इतिहास में सबस□ बड़ी क्रांतियां की हैं! इन पुरुषों में स□ एक ईश्वर पैगंबर मुहम्मद (उन पर शांति हो) है कि कुरान न□ बिना किसी प्रतिबंध क□ □पन□ □ीवन को सभी मनुष्यों क□ लिए एक मॉडल क□ रूप में प्रस्तुत किया है, "मैं एक □च्छ□ इंसान क□ रूप में ईश्वर क□ दूत में नहीं था"

«لَقَدْ كانَ لَكُمْ فی رَسُولِ اللَّهِ أُسْوَةٌ حَسَنَةٌ» पैगंबर (□ल्लाह की शांति और आशीर्वाद) क□ तरीकों और तरीकों का □ध्ययन करक□, कोई यह द□ख सकता है कि लोगों और समा□ में सभी दिशाओं में उन्होंन□ (□ल्लाह की शांति और आशीर्वाद) कितन□ महान परिवर्तन किए हैं। उदाहरण क□ लिए , उस समय की सरकार की व्यवस्था वह सही था।वह एक धमकान□ वाला था; □ितनी □धिक शक्ति थी, उतना ही उस पर शासन करन□ का □धिकार था। (कुछ पश्चिमी बुद्धि□ीवियों का समा□ क□ बार□ में ऐसा दृष्टिकोण है।) संस्कृति न□ उन्हें बदल दिया। एक कथन में, इमाम □ली (pbuh) उस समय क□ समय का वर्णन इस प्रकार करत□ हैं: □रब लोगों का धर्म सबस□ खराब था, और आप सबस□ खराब भूमि में रहत□ थ□ खुरदरी चट्टानों और बहर□ सांपों क□ बीच (और इसलिए व□ डरत□ नहीं थ□ कुछ भी) तुमन□ दूषित पानी पिया, और तुमन□ बुरा खाना खाया। "तुमन□ खाया, तुमन□ एक दूसर□ का खून बहाया, और तुमन□ रिश्त□दारी तोड़ दी, मूर्तियां तुम्हार□ बीच खड़ी हो गईं (और मूर्ति पू□ा तुम्हारा मार्ग और धर्म था) और पाप तुम्हार□ पूर□ □स्तित्व में फैल गए।"

सिद्धांत रूप में, इमाम (pbuh) न□इस्लाम स□पहल□और उसक□ बाद की दो संस्कृतियों क□ बीच तुलना की है। इस तरह क□ एक सत्तारूढ़ माहौल, दिव्य न□ा क□ साथ-साथ कुरान □ैस□दैवीय कानून न□उस भूमि में एक तरह की सामा□िक क्रांति का निर्माण किया। धर्म की दृष्टि स□वह इस्लाम क□ रूप में सर्वश्र□ष्ठ धर्म को ल□कर आए। एक ऐसा धर्म □िसक□ साथ सांसारिक और □न्य सभी सुख थ□ इसन□मानवीय मूल्यों को पुन□ीवित किया और सभी धर्मों को □मान्य कर दिया। इस धर्म न□ □ज्ञानी □रब समा□ में एक मौलिक परिवर्तन और □ागरण लाया और उन्हें पू□ा पत्थर बना दिया और □वैयक्तिक लकड़ी को मुक्त कर दिया। इसन□ □ज्ञानी समा□ को मूर्तिपू□ा स□मूर्तिपू□ा में बदल दिया। एक बच्च□ की हत्या एक संस्कृति बन गई थी, इसन□इस संस्कृति को पूरी तरह स□ बदल दिया और खून बहाना मना कर दिया। उन्होंन□ ख□रा□ □ंसार को बुलाया। इन दोनों □न□ातियों में त□रह स□ □धिक युद्ध और संघर्ष थ□ मक्का में, उन्होंन□कुरैश □न□ाति को □प्रवासियों क□ रूप में नामित किया और दो □न□ातियों मुहा□िरीन और □ंसार को भाईचार□ क□ क्ष□त्र में एक□ुट किया। उसन□ पहल□ मक्का में प्रवासियों क□ बीच □त्याचार किए थ□ इस तरह इन दोनों द□शों क□ लोगों को कबायली व्यवस्था स□हटाकर एक नई इस्लामी व्यवस्था में डाल दिया गया।भाईचार□ और भाईचार□ नामक एक नए □नुशासन क□ लिए सीमित आदिवासी संबंध बदल गया। औस और ख□रा□ की आपस में वर्षों स□दुश्मनी थी और भगवान न□ऐसी दुश्मनी को बदलकर उल्फत कर दिया। उनक□ बीच इतनी दरार थी कि व□ □पनी सारी आ□ीविका □प्रवासियों को द□न□, □प्रवासियों को उनक□ घरों में रखन□और यहां तक कि युद्ध की □पनी लूट को छोड़न□ क□ लिए सहमत हो गए। इसन□समा□ को एक ऐसी दिशा दी □ो विकास की ओर त□ी स□आग□बढ़ी। साथ ही, इसन□ एक आदिवासी व्यवस्था क□ ब□ाय, मार्गदर्शन और □धिकार □ैस□दो मुख्य स्तंभों पर आधारित विश्व व्यवस्था प्रस्तुत की। धर्म का □ंतिम लक्ष्य समा□ की पूर्णता की ओर निरंतर गति करना है, □िस□धर्म की □शुद्धियों स□शुद्ध किए बिना प्राप्त नहीं किया □ा सकता है।

समा□ का सच्चा नेता न केवल आध्यात्मिक रूप स□ बल्कि भौतिक रूप स□ भी प्रगति की ओर ले□□ाता है। □छूतों की भूमि का क्या □र्थ है टिप्पणीकारों क□ बीच मतभेद है। कुछ न□ खैबर को ऐसी भूमि बताया है। पैगंबर क□ समय का समा□ (सल्लल्लाहु □लैहि व सल्लम) रा□नीतिक रूप स□ विकसित हुआ। इसन□ दुनिया को दैवीय मूल्यों और एकेश्वरवादी विश्वदृष्टि पर आधारित एक रा□नीतिक, सामा□िक व्यवस्था का परिचय दिया। रा□ाओं को इस्लाम स्वीकार करन□ क□ लिए निमंत्रण भे□कर और महत्वपूर्ण विश्व हस्तियां, इस तरह क□ दाव□ क□ स्पष्ट प्रमाण हैं। उन्होंन□ ऐसी बौद्धिक क्रांति की कि आदिवासी व्यवस्था क□ पक्ष में लोगों न□ विश्व व्यवस्था का आह्वान किया। ऐसा परिवर्तन एक धर्मी व्यक्ति क□ नेतृत्व क□ बिना संभव नहीं है। □ाग्रत, प्रगति और विकास चल रहा है। यदि नेता धर्मी नहीं है समा□ □पन□पथ स□ भटक □ाएगा और पतन और पतन का □नुभव करेगा। इस्लामी समा□ की सभी परेशानियों का मुख्य कारण यह है कि हज़रत फ़ातिमा (शांति उस पर हो) न□□ हल □ल-बैत (उन पर शांति हो) क□ नेतृत्व स□ खुद को दूर कर लिया। संक्षेप में, यह नेतृत्व है □ो समा□ को विकसित करता है और भौतिक और आध्यात्मिक आशीर्वाद और भगवान की खुशी की पूर्णता और प्रचुरता की ओर ले□□ाता है। □ागृति और परिवर्तन का मुख्य इं□न धर्मी नेतृत्व है □ो राष्ट्र और समा□ को □गाता है और उन्हें आग□ बढ़ाता है। इस्लामी और गैर-इस्लामिक दृष्टों में आ□ की मुख्य समस्या नेतृत्व का मुद्दा है। इस क्षेत्र में क्रांतियां इस्लामी क्रांति पर आधारित हैं ईरान। □िस क्रांति क□ बार□ में इमाम खुमैनी बात कर रह□ थ□ उसका निर्यात हासिल कर लिया गया है। राष्ट्रों क□ पास इमाम खुमैनी की तरह एक म□बूत नेतृत्व है, उन्हें □त्याचारी शासकों और कठपुतली स□ बचान□ क□ लिए। इमाम खुमैनी क□ नेतृत्व में ईरान की इस्लामी क्रांति का बहुत कुछ बकाया है शिया विद्वानों क□ बलिदान और लंब□ प्रतिरोध क□ लिए। इस क्रांति न□ पाश्चात्य □गत की बौद्धिक व्यवस्था क□ समीकरणों को भी □स्त-व्यस्त कर दिया, यहाँ तक कि बहुत स□ पाश्चात्य विचारक भी इस क्रान्ति को समझन□ में □सफल

रहा। निर्णय, उन्होंन दुनिया में ज्ञात मानदंडों क लावा न्य मानदंडों क नुसार बात की और कार्य किया। "ैस कि कहीं और स प्रेरित, पश्चिम क साथ यातुल्ला खोमैनी की दुश्मनी उनकी दैवीय शिक्षाओं स ली गई थी। उनकी दुश्मनी में भी ईमानदारी थी।" पश्चिम इस क्रांति को समझन में विफल क्यों रहा? "इस्लामी क्रांति ज्ञात और छिपी रही।" इंग्लैंड में कैम्ब्रि विश्वविद्यालय क एक प्रसिद्ध प्रोफसर टड स्कॉच पॉल न कहा, "शाह क शासन को उखाड़ फेंकना, शाह क मरिकी मित्रों क दृष्टिकोण स पत्रकारों, रा नताओं और यहां तक कि मर ैस समा शास्त्रियों क दृष्टिकोण स एक बड़ी और विश्वसनीय घटना है।" फ्रांसीसी, रूसी और चीनी क्रांतियों पर व्यापक शोध किया है। "यह संभव है।"»। "ईरान में क्या हुआ" निश्चित है, "हमार कंप्यूटर समझ में नहीं आत हैं," सीआईए क प्रमुख न कहा, िस ईरानी क्रांति की ीत और इसकी प्रत्याशितता क कारण हटा दिया गया था।!»। यह शिया संस्कृति है ो ऐस द्वितीय व्यक्तियों का पोषण करती है। नवीनतम समाचार रिपोर्टों स संकत मिलता है कि इज़राइल न लबनान में हिज़्बुल्लाह क महासचिव सैयद हसन नसरल्लाह क व्यक्तित्व आयामों की ांच करन क लिए विभिन्न क्षत्रों में विशषज्ञों की एक 15 सदस्यीय समिति इकट्ठी की है। पहचानें। आ क्षत्र और दुनिया क दश्मनों की रूरत है कि लोगों का सम्मान करन वाल धर्मी नताओं का नतृत्व हासिल किया ए, स्थायी मानव प्राप्त किया ए, स्थायी और समृद्ध विश्व शांति और सुरक्षा हासिल की ए। ग्रैंड यातुल्ला खामनई (भगवान उन्हें आशीर्वाद दें और उन्हें शांति प्रदान करें) तहरान में पन शुक्रवार क प्रार्थना उपदश में दिखाया। उन्होंन कहा: "यह संयुक्त राज्य मरिका और नाटो और ज़ायोनीवाद क नतृत्व में बनाया गया है। कोई तीसरी प्रविष्टि नहीं है।" आ विश्व मंच पर दोनों पक्ष आमन सामन हैं। ईरान क नतृत्व में संयुक्त राज्य मरिका और दुनिया क उत्पीड़ितों क नतृत्व में झूठ समर्थक। इस्लामी दुनिया क विचारक ल्लामा मोहम्मद इकबाल लाहौरी न इस तथ्य का उल्लख किया है उनकी प्रसिद्ध कविताओं में।

تهران هو گر عالم مشرق کا جینوا شاید که کره ارض کی تقدیر بدل جائے

इकबाल इस क्षेत्र के विकास में ईरान की महत्वपूर्ण भूमिका की ओर इशारा करते हैं कि यदि पूर्व के लोग ईरान के आसपास इकट्ठा होते हैं, तो न केवल उनकी समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि ब्रह्मांड (सभी समाजों) का भाग्य बदल जाएगा।

निष्कर्ष

जागृति व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति और विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। मुसलमानों ने पूरे इतिहास में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उपनिवेशवाद ने हमेशा इस्लामी उम्मा के भाग्य पर सबसे भ्रष्ट लोगों पर हावी होने की कोशिश की है और जारी है। दूसरी ओर, बहुत सारे राजधानी ने मुसलमानों के भौतिक और आध्यात्मिक संसाधनों को लूट लिया, और धार्मिक संरक्षण के विशेष हासिल करने के लिए बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक आक्रमण को एजेंडे पर रखा। उम्माह। ऐसे आंदोलनों का पहला फल ईरान की इस्लामी क्रांति के रूप में प्राप्त हुआ। विशेष रूप से उन्होंने फिलिस्तीन का मुद्दा उठाया। आज दुनिया में, विशेष रूप से क्षेत्र के अरब देशों में, इस्लामी जागृति की लहर है वैश्विक अहंकार के लिए निषिद्ध नींद। नए मध्य पूर्व ने अपनी प्रकृति बदल दी है और नए इस्लामी मध्य पूर्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है। इस तरह के विकास को देखते हुए, क्षेत्र और दुनिया में जागृति को जारी रखने, बनाए रखने और फैलाने के लिए आवश्यक है कुरान के नजरिए से नेता के लिए शर्तें क्योंकि जागृति के नेतृत्व और राष्ट्र के रूप में दो मुख्य स्तंभ हैं, इसलिए कुरान ने नेता और राष्ट्र की सामान्य स्थितियों को प्रस्तुत किया है जिन्हें विस्तार से समझाया गया था। साथ ही, पवित्र पैगंबर (पीबीयूएच) के जीवन से प्रेरित इस्लामी जागरण में नेतृत्व की भूमिका।) कहा गया कि कम से कम समय में उन्होंने इतिहास की महान क्रांति को चिह्नित किया और दुनिया के सामने एक नया मॉडल पेश किया।

संदर्भ

पवित्र कुरान;

बयानबाजी के लिए दृष्टिकोण;

1. □लुसी, महमूद, महान कुरान की व्याख्या में □र्थ की आत्मा, बारूत: दार □ल-किताब □ल-□लमिया, १४१५ एएच;
2. □याती, □ब्दुल मोहम्मद, कुरान का □नुवाद, तहरान: सोरौश प्रकाशन, १९९५;
3. □बियारी, इब्राहिम, कुरानिक इनसाइक्लोपीडिया, बी□ा: □रब रि□स्ट्री संस्थान, 1405 एएच;
4. इब्न □बी □ल-हदीद, इज़ □ल-दीन □बू हामिद, शर नह□ □ल-बालागाह, क़ोम: मकतब □यातुल्ला □ल-मराशी □ल-न□फ़ी □ल-□मा, 2002;
5. इब्न □ावज़ी, □ब्द □ल-रहमान इब्न □ली, व्याख्या का□ विज्ञान में पथ का□ पुत्र, बारूत: दार □ल-किताब □ल-□रबी, १४२२ एएच;
6. इब्न कुतैबाह, □ब्दुल्ला इब्न मुस्लिम, □ल-मारीफ, रिसर्च: द वास्थ ऑफ आकाश, काहिरा: द इ□ष्टियन इ□ष्टियन पब्लिक लाइब्रारी, 1992;
7. इब्न कुतैब □ल-दिनुरी, □ब्दुल्ला इब्न मुस्लिम, इमामत और रा□नीति, □नुसंधान: □ली शिरी, बारूत, दार □ल-□ज़वा, १४१० एएच;
8. इब्न □ब्द □ल-बर्र, यूसुफ इब्न □ब्दुल्ला, □ल-इस्तियाब साथियों का□ ज्ञान में, मुहम्मद बा□वी पर शोध, बारूत: दार □ल-□लम, १४१२ एएच;
9. इब्न सैय्यद □ल-नास, मुहम्मद, द आइज़ ऑफ़ द इफ़ारट इन मगज़ी, स्माइल्स, एंड ट्रैवल टा□निक्स, बारूत: दार □ल-क़लम, १४१४ एएच;
10. इब्न हबीब, मुहम्मद, □ल-मुहाबर, शोध: इल्सा लिख्टन शाार, बारूत: दार □ल-□फाक □ल-□दीदा, बी ता;
11. इब्न □थिर, □ली इब्न □बी □ल-करम, □ल-कामिल फी तारिख, बारूत: डार सदर, 1385 एएच;

12. इब्न □शुर, मुहम्मद इब्न ताहिर, तहरीर और ज्ञानोदय, बी □ा, बी ता, बी ना;
13. इब्न मं□ूर, मुहम्मद इब्न मकरम, □रबों की भाषा, बेरूत: दार सदर, 1414 एएच;
14. इब्न मयसम, मयसम इब्न □ली इब्न मयसम बहारानी, शर नह□ □ल-बालाघाह, बी □ा, दफ्तार नशर □ल-किताब, १४०४ एएच;
15. □बू मुहम्मद, सहल इब्न □ब्दुल्ला, तफ़सीर □ल-तस्त्री, बेरूत: मुहम्मद □ली बैज़ुन / दार □ल-किताब □ल-□लामिया का प्रकाशन, १४२३ एएच;
16. □बू हमज़ा थमाली, थबित इब्न दिनार, तफ़सीर □ल-कुरान □ल-करीम, बेरूत: दार □ल-मुफ़ीद, 1420 एएच;
17. इलाही घोमशी, महदी, कुरान का □नुवाद, क़ोम: फ़तमेह □ल-ज़हरा प्रकाशन, 2001;
18. बगदादी, □ला □ल-दीन □ली इब्न मुहम्मद, लबाब □ल-तवील □ल-तं□िल के □र्थ में, बेरूत: दार □ल-किताब □ल-□ल्मिया, १४१५ एएच;
19. बगुई, हुसैन इब्न मसूद, कुरान की व्याख्या में □ल-तं□िल के शिक्षक, शोध: □ब्दुल रज्जाक □ल-महदी, बेरूत: दरहियाह □ल-तरथ □ल-□रबी, 1420 एएच;
20. बल्खी, मुक़ातिल इब्न सुलेमान, 1423 एएच, तफ़सीर मुक़ातिल इब्न सुलेमान, बेरूत: दार इह्या □ल-तराथ;
21. बेरूत: इस्लामिक लाइब्रेरी, १४०५ एएच;
22. Beizawi, □ब्दुल्ला इब्न उमर, १४१८ AH, रहस्योद्घाटन की रोशनी और व्याख्या के रहस्य, बेरूत: दार □ल-□ह्या □ल-तरथ □ल-□रबी;
23. टस्टारी, सहल इब्न □ब्दुल्ला □बू मुहम्मद, तफ़सीर □ल-तस्तारी, बेरूत: दार □ल-किताब □ल-□लमियाह, 14232 एएच;

24. थलाबी, □ब्द □ल-रहमान इब्न मुहम्मद, □वाहर □ल-हसन कुरान की व्याख्या में, बाक़ूत: दरहियाह □ल-तरथ □ल-□रबी, १४१८ एएच; □ाफरी, याघौब, कौसर, बी □ा, बी ता, बी ना;
25. हा□ती, मिरहमद रज़ा, □सर इमाम खुमैनी, क़ोम: बुक गार्डन, 2008;
26. हस्कनी, ओबैदुल्लाह बिन □हमद हकीम, वरीयता का□ नियमों में कमी का साक्ष्य, तह्रान: इस्लामी मार्गदर्शन मंत्रालय का मुद्रण और प्रकाशन संगठन, १४११ एएच;
27. हाविज़ी, □ब्द □ली इब्न □ुमा □रौसी, तफ़सीर नूर □ल-थाकालिन, इस्माइलियन प्रकाशन - क़ोम, चौथा संस्करण, 1415 एएच;
28. खज़ाज़ कोमी, □ली इब्न मुहम्मद, किफ़ायत □ल-□थर, क़ोम: बीदर प्रकाशन, १४०१ एएच;
29. दमिश्क, इस्माइल इब्न उमर इब्न कथिर, द बिगिनिंग एंड द एंड, बाक़ूत: दार □ल-फ़िक्र, 1986;
30. दमिश्क, इस्माइल इब्न उमर इब्न कथिर, 1419 एएच, तफ़सीर □ल-कुरान □ल-□ज़ीम, बाक़ूत: दार □ल-किताब □ल-□लमिया;
31. राघब इस्फ़हानी, हुसैन इब्न मुहम्मद, □ल-मुफ़रादत फ़ि ग़रीब □ल-कुरान, बाक़ूत: दार □ल-आलम □ल-दार □ल-शमिया, १४१२ एएच;
32. ज़ाहिली, वहबा इब्न मुस्तफ़ा, तफ़सीर □ल-मुनीर इन बिलीफ़, शरिया एंड मथडोलॉ□ी, बाक़ूत; दमिश्क: दार □ल-फ़िक्र;
33. रज़ी, फखरुद्दीन मोहम्मद उमर, माफ़तिह □ल-ग़ैब, बाक़ूत: दरहियाह □ल-तराथ □ल-□रबी, १४२० एएच;
34. काहान □खबार 11/18/1375;
35. □ोम्हुरी एस्लामी □खबार, 11/21/1372;

36. रोश, गा□ सोशल चें□, ट्रांसलेशन: वोसोफी, मंसूर, तेहरान: पब्लिशिंग, 2008;
37. समरकंदी, नस्र इब्न मुहम्मद इब्न □हमद, बीता, बह्र □ल-उलुम, बी□ा, बीना;
38. सियोती, □लाल □ल-दीन, □ल-दुर □ल-मंथूर फाई तफ़सीर □ल-माथुर, क़ोम: □यातुल्ला मराशी न□फ़ी की लाइब्रेरी, १४०४ एएच;
39. शरीफ लाहि□ी, मोहम्मद इब्न □ली, तफसीर शरीफ लाहि□ी, तेहरान: दादर पब्लिशिंग हाउस, 1994;
40. शिराज़ी, नासिर मकारेम एट □ल।, सैंपल इंटरप्रिटेशन, तेहरान: इस्लामिक बुक्स हाउस, 1995;
41. शिराज़ी, मोहम्मद होसैनी, कुरान की व्याख्या, बेरूत: दार □ल-उलम, १४२३ एएच;
42. शिराज़ी, मोहम्मद हुसैनी, मन का□ लिए कुरान का □नुमान, बेरूत: दार □ल-उलुम, १४२४ एएच;
43. शोकानी, मुहम्मद इब्न □ली, फत □ल-कादिर, दार इब्न कथिर, दमिश्क: 1414 एएच;
44. सादुक, शेख, □ल-तौहीद, क़ोम: सोसाइटी ऑफ़ टीचर्स, १३९८ एएच;
45. तबताबाई, मोहम्मद हुसैन, तफ़सीर □ल-मिज़ान, क़ोम: इस्लामिक पब्लिकेशन ऑफ़िस ऑफ़ द सेमिनरी टीचर्स एसोसिएशन, 1995;
46. तबरी, मुहम्मद इब्न □रीर, कुरान की व्याख्या में व्यापक बयान, बेरूत: दार □ल-मारीफा, १४१२ एएच;
47. तबरसी, फदल इब्न हसन, कुरान की व्याख्या में □ल-बयान कॉम्प्लेक्स, तेहरान: नासिर खोस्रो प्रकाशन, 1993;
48. तारिही, फखरुद्दीन, बहरीन कॉम्प्लेक्स, तेहरान: मोर्तज़ावी बुकस्टोर, 1996;
49. तुसी, मुहम्मद इब्न हसन, बी ता, □ल-तिब्यान फाई तफ़सीर □ल-कुरान, बेरूत: दार □ल-□ह्या □ल-तरथ □ल-□रबी;

50. तुसी, शाख़, □ल-□मली, क़ोम: दार □ल-तक़ाफ़ा, १४१४ एएच;
51. तंतावी, मुहम्मद, □ल-तफ़सीर □ल-वसित पवित्र कुरान का□ लिए, बी □ा, बी ना, बी ता;
52. □ब्दु, मोहम्मद, शार नह□ □ल-बालाघाह, काहिरा: इस्तिकामाह प्रास, □प्रकाशित;
53. □शूरा का□ पाठ, २२/२/२०१२, (दुनिया की स्थिति);
54. फरा, □बू ज़कारिया याह्या बिन ज़ियाद, कुरान का □र्थ, मिस्र: संकलन और □नुवाद का□ लिए मिस्र का पुस्तकालय, नहीं।
55. फराहदी, खलील इब्न □हमद, किताब □ल-ऐन, क़ोम: हि□रत प्रकाशन, 1410 एएच;
56. कासमी, मुहम्मद □माल □ल-दीन, महासिन □ल-तौविल, बरूत: दार □ल-किताब □ल-□लामिया, १४१८ एएच;
57. क़राती, मोहसन, तफ़सीर नूर, तहरान: क़ुरान स□ सबक का□ लिए सांस्कृतिक केंद्र, २००४;
58. कुराशी, □ली □कबर, कुरान डिक्शनरी, तहरान: इस्लामिक बुक्स हाउस, 1992;
59. कुतुब, सैय्यद, कुरान की छाया में, पुस्तक का नाम: कुरान की छाया में, दार □ल-शोरौक, 1412 एएच;
60. क़ोमी, □ली इब्न इब्राहिम, 1988, तफ़सीर क़ोमी, क़ोम: दार □ल-किताब;
61. काशानी, मोहम्मद इब्न मोर्टेज़ा, तफ़सीर □ल-मोइन, क़ोम: □यातुल्ला मराशी न□फ़ी की लाइब्रेरी, १४१० एएच;
62. काशानी, मुल्ला फतुल्लाह, विरोधियों को बाध्य करन□में धर्मी का□ तरीकों की व्याख्या, तहरान: मोहम्मद हसन आलमी बुकस्टोर, १३३६;
63. काशानी मुहम्मद इब्न मुर्तदा, तफ़सीर □ल-मुइन, क़ोम: □यातुल्ला मराशी न□फ़ी की लाइब्रेरी, १४१० एएच;

64. करामी हविज़ी, मोहम्मद, सर्वशक्तिमान ईश्वर की पुस्तक की व्याख्या, क्यूम: वैज्ञानिक प्रिंटिंग हाउस, १४०२ एएच;
65. क्लिनी, मोहम्मद इब्न याकूब, □ल-काफी, तहेरान: दार □ल-किताब □ल-इस्लामिया 1365;
66. गोनाबादी, सुल्तान मुहम्मद, पू□ा क□ □धिकारियों में खुशी की □भिव्यक्ति की व्याख्या, बेरूत: प्रकाशन क□ लिए वैज्ञानिक फाउंडेशन, १४०८ एएच;
67. लावर, एच. रॉबर्ट, सामा□िक परिवर्तन पर परिप्रेक्ष्य, सैयद इमामी कावस द्वारा □नुवादित, तहेरान विश्वविद्यालय केंद्र, 1994;
68. □नुवादक, तफ़सीर हेदायत, मशहद: □स्तान कुद्स रज़ावी इस्लामिक रिसर्च फ़ाउंडेशन, 1998;
69. मराघी, □हमद इब्न मुस्तफा, तफ़सीर □ल-मराघी, बेरूत: दरहियाह □ल-तरथ □ल-□रबी, नहीं।
70. मेस्बाह यज़्दी, मोहम्मद तघी, कुरान क□ परिप्रेक्ष्य स□ समा□ और इतिहास, तहेरान: □ंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन कंपनी, 1999;
71. म□हारी, मोहम्मद सना □ल्लाह, □ल-तफ़सीर □ल-मज़हरी, पाकिस्तान: रुश्दीह लाइब्रेरी, 1412 एएच;
72. मुस्तफवी, हसन, तफ़सीर रोशन, पुस्तक प्रकाशन केंद्र, तहेरान: 2001;
73. मुस्तफावी, हसन, रिसर्च इन द वर्ड्स ऑफ द होली कुरान, तहेरान: बुक ट्रांसलेशन एंड पब्लिशिंग कंपनी, 1981;
74. मुगनियाह, मोहम्मद □वाद, तफ़सीर □ल-काशिफ़, तहेरान: दार □ल-किताब □ल-इस्लामिया, १४२४ एएच;
75. कुरान संस्कृति और ज्ञान केंद्र, पवित्र कुरान विश्वकोश, क्यूम: बुक गार्डन, 2003;
76. नरगेसी, र□ा रम□ान, सामा□िक व्याख्या, संवैधानिक क्रांति (संविधान क□ समकालीन इतिहास में सामा□िक परिवर्तनों का विश्लेषण करन□ का प्रयास), क़ोम: इमाम खुमैनी शैक्षिक और □नुसंधान संस्थान प्रकाशन, 2010;

77. न□ाबौरी, निज़ामुद्दीन हसन इब्न मुहम्मद, तफ़सीर ग़रीब □ल-कुरान और रग़ैब □ल-फ़ुरक़ान, ब□रूत: दार □ल-किताब □ल-□लमियाह, १४१६ एएच;
78. वाकीदी, किताब □ल-मगाज़ी, मुहम्मद इब्न उमर, शोध: मार्सड□ □ोन्स, ब□रूत: वैज्ञानिक फाउंड□ान, १४०९ एएच;
79. वागो, स्टीफ़न, एन इंट्रोडक्शन टू थ्योरीज़ एंड मॉडल्स ऑफ़ सोशल चें□, □नुवादित घरवीज़ाद, त□रान: □िहाद दान□ागाही पब्लिशिंग इंस्टिट्यूट (मा□िद) 1994;